जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

उदयपुर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर, रविवार 19 मार्च, 2023

बड़ी-बड़ी कोठी
बड़े-बड़े फ्लैट

2 साइड ओपन कोठी और फ्लैट्स | 60 एमेनिटीज

KEDIA सेजस्थान

KOTHI & WALK-UP APARTMENT

Ajmer Road, Jaipur

FIXED PRICE

एम.आई. रोड़ से एक LEFT पर !

NO MIDDLE-MEN
DIRECT TO CUSTOMER

NPO NEW PRODUCT OFFER

1350 Sq Ft वाला 2 BHK फ्लैट सिर्फ 45 लाख में !	1900 Sq Ft वाला 3 BHK फ्लैट सिर्फ 50 लाख में !

2000 Sq Ft वाली 3 BHK BIG कोठी सिर्फ 60 लाख में !	2325 Sq Ft वाली 4 BHK BIGGER कोठी सिर्फ 70 लाख में !	3200 Sq Ft वाली 4 BHK BIGGEST कोठी सिर्फ 1 करोड़ में !

60 AMENITIES

OUTDOOR
1. Lotus Canopy
2. Chaupati
3. Temple
4. Rashi Garden
5. Open Air Theatre
6. Wetland Park
7. Plant Nursery
8. Meditation Zone
9. Kid's Play Area
10. Sandpit
11. Open Gym
12. Herb Garden
13. Interactive Fountain
14. Lap Pool
15. Kid's Pool
16. Roof Top Walk
17. Multipurpose Lawn
18. South End Park
19. Vocational Workshop Space
20. Sensory Walk
21. Viewing Decks
22. Nature Trail
23. Savanna Elevated Trail
24. Ecological Rich Zone
25. Adventure Play Area
26. Picnic Points
27. Interactive Seatings with Gazebo
28. Seating with Trellis

INDOOR
29. Tuition Rooms
30. Conference Room
31. Meeting Room
32. Women's Corner
33. Art Room
34. Kid's Workshop Area
35. Kid's play and fun area
36. Trampoline
37. Disney Theme Game Room
38. Featuristic Club entry with Bridges
39. Chit Chat Lobby
40. Health Care Facility
41. Gymnasium
42. Yoga Room
43. Card Room
44. Chess Room
45. Carrom Room
46. Table Tennis
47. Billiards
48. Cafeteria with Outdoor seating
49. Banquet Hall

SPORTS
50. Basket Ball Court
51. Badminton Court
52. Skating Rink
53. Lawn Tennis Court
54. Mini Golf
55. Cricket Practice Net
56. Box Cricket
57. Jogging Loop
58. Cycling Track

OTHER
59. Entrance Plaza
60. Sezasthan Bazaar

www.rera.rajasthan.gov.in | RERA No. RAJ/P/2023/2387

KEDIA

78770 72737
info@kedia.com www.kedia.com

LOCATION QR CODE

विचार बिन्दु

दया चरित्र को सुन्दर बनाती है। –जेम्स एलन

आयुर्वेद का इतिहास

आयुर्वेद चिकित्सा की एक प्राचीन प्रणाली है जो कम से 5,000 साल पहले भारत में उत्पन्न हुई। शब्द 'आयुर्वेद' का अर्थ जीवन का ज्ञान है। आयुर्वेद को प्राय: 'जीवन का विज्ञान' या 'जीने की कला' भी कहा जाता है। आयुर्वेद की उत्पत्ति और प्रारंभिक सूत्र वेदों में उपलब्ध हैं, जिनका काल 1500 ईसा पूर्व माना जाता है। वेदों में दर्शन, आध्यात्मिकता और चिकित्सा सहित विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला के बारे में जानकारी है। ऐसा माना जाता है कि आयुर्वेद के सिद्धांतों को सर्वप्रथम चार वेदों में से एक, अथर्ववेद, में रेखांकित किया गया था। समय के साथ, आयुर्वेद एक व्यापक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के रूप में विकसित हुआ, जिसमें आहार, व्यायाम, ध्यान, उपचार और सर्जरी सहित स्वास्थ्य और कल्याण के सभी पहलुओं को शामिल किया गया। आयुर्वेदिक चिकित्सकों ने मानव शरीर की गहरी समझ विकसित की। साथ ही मानव शरीर और पर्यावरण के बीच परस्पर संबंध को भी व्यापक रूप से समझा। इस ज्ञान का उपयोग रोगियों के लिए व्यक्तिगत उपचार योजना विकसित करने के लिए किया।

आयुर्वेद भारत में हजारों वर्षों तक फलता-फूलता रहा, लेकिन औपनिवेशिक युग के दौरान इसे कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इस काल में पश्चिमी चिकित्सा स्वास्थ्य सेवा का प्रमुख रूप बनती गई। हालाँकि, हाल के वर्षों में, भारत और दुनिया भर में आयुर्वेद में नए सिरे से रुचि पैदा हुई है, और अब इसे एक मूल्यवान पूरक चिकित्सा के रूप में मान्यता प्राप्त है। आज, आयुर्वेद भारत में व्यापक रूप से प्रचलित है और दुनिया के अन्य हिस्सों में भी इसने लोकप्रियता हासिल की है। आयुर्वेद के सिद्धांत इस विचार पर आधारित हैं कि प्रत्येक व्यक्ति अद्वितीय है और उसका अपना व्यक्तिगत दोष संतुलन है। तीन मुख्य दोष हैं:– वात, पित्त और कफ। प्रत्येक दोष विशिष्ट विशेषताओं और असंतुलन से जुड़ा होता है, और आयुर्वेदिक चिकित्सक इस जानकारी का उपयोग बीमारियों के निदान और उपचार के लिए करते हैं। पश्चिमी चिकित्सा के विपरीत, जो लक्षणों के इलाज पर ध्यान केंद्रित करती है, आयुर्वेद का उद्देश्य बीमारी के मूल कारण को दूर करना और शरीर और दिमाग में संतुलन बहाल करना है।

हालाँकि आयुर्वेद का एक लंबा और समृद्ध इतिहास है, पर इसे विवादों में घसीटने का इतिहास भी कम लम्बा नहीं है। कुछ आलोचकों को आयुर्वेदिक उपचारों की सुरक्षा और प्रभावकारिता के बारे में चिंता लगी रहती है। इसके अतिरिक्त, दूषित आयुर्वेदिक उत्पादों के रोगियों को नुकसान पहुँचाने के बारे में भी अब बहुत प्रकाशन होता है। इन आलोचनाओं के बावजूद, आयुर्वेद चिकित्सा लोकप्रिय और कारगर है, और दुनिया भर के असंख्य लोगों ने आयुर्वेदिक उपचारों के माध्यम से उन रोगों से राहत पाई है जिन्हें आधुनिक चिकित्सा पद्धति ठीक नहीं कर पाती। समकालीन विश्व में जैसे-जैसे प्राकृतिक और पूर्ण स्वास्थ्य सेवा में रुचि बढ़ रही है, आयुर्वेद चिकित्सा की भूमिका भी बढ़ती जा रही है।

आयुर्वेद को मूल रूप से अथर्ववेद का उपवेद माना जाता है। इसका मूल कारण यह है कि अथर्ववेद में न केवल बहुत स्पष्ट रूप से चिकित्सा का वर्णन है, अपितु ॠग्वेद की तुलना में औषधियों की संख्या भी अधिक अंकित है। यह बात सत्य है कि ॠग्वेद का औषधि सूक्त आयुर्वेद का सबसे पुराना दस्तावेज है, किन्तु अथर्ववेद में भारतीय चिकित्सा पद्धति का तुलनात्मक रूप से अधिक प्रायोगिक विस्तार मिलता है।

आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति भारत की मूल्यवान और अनोखी धरोहर है। आयुर्वेद का उद्भव काल 6000 ई. पू. माना जाता है, पर मतभिन्नता के बावजूद इसे 5000 साल पुरानी चिकित्सा पद्धति तो माना ही जाता है। आयुर्वेद का सबसे पुराना उपलब्ध ग्रन्थ ई. पू. पांचवी शताब्दी में आचार्य चरक द्वारा लिखित चरक संहिता है। उसके पश्चात् सुश्रुत संहिता, अष्टांग हृदय, सारंगधर संहिता, माधव निदान, भावप्रकाश आदि ग्रन्थ लिखे गये। इनमें से चरक संहिता से प्रारंभ कर 15वीं शताब्दी में लिखित भावप्रकाश तक का समयकाल लगभग 2000 वर्ष का है। इस यात्रा में आचार्य नागार्जुन की रस औषधियों सहित तमाम रोचक नवाचार हुये जो आज भी आयुर्वेद चिकित्सा के माध्यम से लोगों के चेहरे पर मुस्कराहट ला रहे हैं।

संक्षेप में देखा जाये तो अथर्ववेद काल में चिकित्सा मुख्य रूप से देवताओं के ऊपर आश्रित मानी जाती थी, यही कारण है कि इस प्रकार की चिकित्सा को बाद में आयुर्वेद संहिता काल में दैव-व्यापाश्रय चिकित्सा के रूप में जाना गया है। अथर्ववेद काल की चिकित्सा में एक महत्वपूर्ण बात यह है कि एक रोग के लिए एक औषधि का प्रयोग ही दृष्टिगत होता है, किन्तु साथ ही उपचार मंव देवताओं, मंत्रों, पूजा-पाठ आदि अनिवार्य रूप से प्रयुक्त हुये।

अथर्ववेद परम्परा का कौशिक सूत्र इस परम्परा का अगला पड़ाव माना जाता है। कौशिक सूत्र मूलत: अथर्ववेद परम्परा का सूत्र है। अत: स्वाभाविक रूप से अथर्ववेद की चिकित्सा तथा औषधीय पौधों के संदर्भ और प्रक्रिया यथावत पायी जाती है। तथापि अथर्ववेद और कौशिक सूत्र दोनों में उपलब्ध चिकित्सा विवरण में कुछ मूलभूत अन्तर है।

जहां एक ओर अथर्ववेद में एक रोग के लिये एकल औषधि और साथ में पूजा-पाठ का विधान प्रयुक्त किया गया है, वहीं कौशिक सूत्र में पूजा-पाठ का विधान तो है परन्तु एकल औषधियों की जगह रोगों के लिये अनेक औषधियों के मिश्रण या योग का प्रयोग हुआ। दूसरा अंतर यह आया कि कौशिक सूत्र में ऐसी अनेक औषधियां वर्णित हैं, जिनका संदर्भ अथर्ववेद में नहीं मिलता है। इसका स्पष्ट तात्पर्य यह हुआ कि आयुर्वेद के विकास की यात्रा में अथर्ववेद एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, किन्तु बाद में रचित कौशिक सूत्र में नई औषधियों और रोगों के लिये नवाचारी योग जुड़ गये। हालांकि कौशिक सूत्र में भी स्पष्टतया पूजा-पाठ को चिकित्सा में उपयोग लेने की अथर्व परम्परा को तो यथावत दिया गया, परन्तु केवल पूजा-पाठ और एक औषधि की बजाय बहुत औषधियां योग देने का तात्पर्य यह लगाया जाता है कि पूजा-पाठ के साथ-साथ औषधियों को भी बराबर का महत्त्व दिया गया है। अथर्व परम्परा का कौशिक सूत्र निश्चित रूप से आयुर्वेद के विकास में एक मील का पत्थर है। परन्तु यह भी सही है कि चिकित्सा के मूल दर्शन के रूप में पूजा-पाठ आदि को कौशिक सूत्र में भी बराबर महत्व दिया गया है।

> **आयुर्वेद के सिद्धांत इस विचार पर आधारित हैं कि प्रत्येक व्यक्ति अद्वितीय है और उसका अपना व्यक्तिगत दोष संतुलन है। तीन मुख्य दोष हैं:– वात, पित्त और कफ। प्रत्येक दोष विशिष्ट विशेषताओं और असंतुलन से जुड़ा होता है, और आयुर्वेदिक चिकित्सक इस जानकारी का उपयोग बीमारियों के निदान और उपचार के लिए करते हैं।**

आगे चलकर संहिताकाल, जो लगभग 1000 वर्ष ईसा पूर्व से लेकर पहली शताब्दी तक माना जा सकता है, को आयुर्वेद का स्वर्णकाल कहा जाता है। एक अत्यन्त महत्वपूर्ण बात यह है कि संहिताकाल में उस समय तक चिकित्सा का जो भी ज्ञान वेदों, उपनिषदों, ब्राम्हणों या सूत्रों में उपलब्ध था, उस सम्पूर्ण ज्ञान को एकत्र कर संहिताकाल में आचार्यो ने जांच-परख कर और प्रत्यक्ष प्रायोगिक परीक्षण कर संहिताबद्ध किया। यही कारण है कि आयुर्वेद की मूल संहिताओं में चिकित्सा यर्थातत: युक्ति-व्यापाश्रय (प्रमाण-आधारित या रेशनेल मेडिसन) में बदल गई। इस प्रकार अंतत: आयुर्वेद पूर्णत: वैज्ञानिक धरातल पर आ गया।

संहिताकाल का आयुर्वेद वांग्मय मूल रूप से चरकसंहिता और सुश्रुतसंहिता में उपलब्ध है। चरकसंहिता मूलत: कायचिकित्सा से संबंधित ग्रन्थ है, जबकि सुश्रुत संहिता मूलत: शल्यचिकित्सा से संबंधित है। दोनों में इस असमानता के बावजूद दोनों संहितायें प्रमाण-आधारित वैज्ञानिक दृष्टिकोण को ही प्रतिपादित करती हैं। इन संहिताओं में प्रमाण, कारण-कार्य प्रभाव, तर्क-संगतता आदि को उतना ही महत्व दिया गया है जितना कि आज के वैज्ञानिक शोध में दृष्टिगोचर होता है। यही कारण है कि पूरा विश्व आचार्य सुश्रुत को शल्य-चिकित्सा का जन्मदाता मानता है।

आचार्य सुश्रुत ने शल्य क्रिया के इतने विस्तृत सूत्र और विधियाँ लिखा कि उसमें कोई ऐसा कदम नहीं छूटा जिसे आज आधुनिक विज्ञान ने बिलकुल नये सिरे से खोजा हो। यहाँ तक कि शल्य क्रिया में प्रथक से काम आने वाले जो औजार जगह आचार्य सुश्रुत ने डिजाइन किये उसमें कोई बहुत बड़ा परिवर्तन आज भी नहीं आया है। लगभग समान औजार आज भी प्रयुक्त हो रहे हैं। आप यह कह सकते हैं कि इन औजारों के निर्माण के लिये आज बेहतर तकनीक तो उपलब्ध है, किन्तु उनके मूलभूत डिजाइन में कोई विषेष अन्तर नहीं आया है।

इस संक्षिप्त चर्चा से स्पष्ट हो जाता है कि वैदिक काल से लेकर संहिता काल तक और संहिता काल से आज तक आयुर्वेद के विकास की एक बड़ी रोचक यात्रा रही है।

आधुनिक विज्ञान की दृष्टि से परखने पर चरक संहिता शरीर-विज्ञान, भ्रूणविज्ञान, फिजियोलॉजी, फार्माकोलॉजी, खाद्य एवं पोषण, पाचनतंत्र एवं पाचन-क्रियाविज्ञान, रक्त-परिसंचरण तंत्र, मानस-विज्ञान, रोग निदान-विज्ञान, प्रिवेंटिव कार्डियोलॉजी, मेडिको-बॉटनी, एवं कार्य-चिकित्सा जैसे अनेक विषयों का महत्वपूर्ण ग्रन्थ है।

आज विश्वभर के वैज्ञानिक अपने शोध-पत्रों के प्रकाशन में पूर्ववर्ती शोध का संदर्भ देते हैं, ठीक उसी प्रकार प्राचीन आयुर्वेदाचार्यों ने, समय और ज्ञान की लंबी यात्रा में उत्तरोत्तर, अपने पूर्ववर्ती विद्वानों की शोध का विवरण देते हुये आयुर्वेद को उत्तरोत्तर स्वयं के अनुभवों से परिष्कृत किया। चरक संहिता में वर्णित औषधीय पौधों की प्रजातियों की संख्या और उपयोगिता का वर्णन बाद के ग्रन्थों में निरंतर बढ़ता गया है। चरक संहिता में कुल 627 औषधीय पादपों को पहचाना जा सका है। सुश्रुत संहिता और अष्टांगहृदय सहित मुख्य ग्रंथों को मिलायें तो 1250 औषधीय पौधों का आयुर्वेद में अधिक उपयोग हो रहा है।

आचार्यों ने अपने पूववर्ती विद्वानों द्वारा बताई गई औषधियों पर प्रमाण-आधारित भरोसा किया। साथ ही, स्वस्थ व्यक्तियों के स्वास्थ्य की रक्षा और रोगियों की रुग्णता शान्त करने के लिये समय के साथ नई-नई औषधियों की खोज, या पूर्व से ज्ञात औषधियों के नवीन गुणों को पहचाना, परिभाषित किया और अपने ग्रन्थों में उल्लेख किया।

समय के साथ बढ़ती विशेषज्ञता भी बड़ी रोचक है। चरक संहिता में यद्यिप आयुर्वेद चिकित्सा के सभी अंगों को समाहित किया गया, परंतु मूल ध्यान काय-चिकित्सा और रसायन चिकित्सा की ओर ही रहा। आचार्य सुश्रुत ने आयुर्वेद के विभिन्न पहलुओं का विवरण दिया, परंतु सुश्रुत संहिता में विशेषज्ञता शल्यक्रिया में केन्द्रित रही। काश्यप संहिता बाल एवं महिला स्वास्थ्य पर केन्द्रित है। आचार्य चक्रदत्त ने एकल औषधि चिकित्सा पद्धित में विशेषज्ञता विकसित कर लिखा। इसी प्रकार पॉली-हर्बल या बहु-पादपीय औषधियों द्वारा चिकित्सा में आचार्य सारंगधर का कोई सानी नहीं है।

आयुर्वेद में आधुनिक वैज्ञानिक शोध हालाँकि अभी बहुत अधिक नहीं है, फिर भी स्कोपसडेटाबेस से ज्ञात होता है कि वर्ष 1923 से 2023 के दौरान प्रकाशित कुल 50,855 शोधपत्रों में कहीं न कहीं आयुर्वेद का उल्लेख हुआ है, उनमें से 13,589 शोधपत्र विशेषकर आयुर्वेद पर केन्द्रित हैं। इसके अतिरिक्त आयुर्वेद में प्रयुक्त औषधीय पौधों पर कम से कम दस लाख से अधिक शोधपत्र हैं। पिछले एक दशक के दौरान भारत के कई दिग्गज वैज्ञानिकों और आयुर्वेदाचार्यों की शोध ने आयुर्वेद का प्रमाण-आधार बहुत मजबूत किया है। आयुर्वेदिक बायोलॉजी, आयुर्वेदिक जीनोमिक्स, होल-सिस्टमक्लिनिकल ट्रायल्स आदि में उपयोगी कार्य हो रहा है। आधुनिक विज्ञान के समावेश से आयुर्वेद का और बेहतर उपयोग मानवता के कल्याणार्थ किया जा सकता है, परन्तु यह तभी संभव है जब वर्ष 1600 से 1947 के मध्य आयुर्वेद को दुर्बल करने के जितने भारी प्रयास हुये, उससे दुगने प्रयास अब इसे आगे बढ़ाने के लिये किये जायें।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(इंडियन फारेस्ट सर्विस में वरिष्ठ अधिकारी)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

शोभायात्रा के साथ तीन दिवसीय थार महोत्सव का आगाज

- फकीरा खां द्वारा राजस्थानी गीत आओ नी पधारो म्हारो देश ने शमा बांध दिया
- कैमल टैटू शो में बीएसएफ जवानों ने ऊंटों के साथ रौचक मुकाबलों का प्रदर्शन किया

थार महोत्सव के शुभारम्भ अवसर पर सजे धजे ऊँट, हाथी, घोड़े के साथ शोभायात्रा निकाली गई।

बाड़मेर, (निसं)। जिले की लोक कला, संस्कृति, इतिहास, पर्यटन एवं हस्तशिल्प को बढ़ावा देने के लिए जिला प्रशासन द्वारा आयोजित किये जाने वाले थार महोत्सव का शुभारम्भ शनिवार को भव्य शोभायात्रा के साथ हुआ।

राजस्थान गो सेवा आयोग के अध्यक्ष मेवाराम जैन, जिला प्रमुख महेंद्र चौधरी, जिला कलेक्टर लोकबंधु, नगर परिषद सभापति दिलीप माली, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ओमप्रकाश विश्नोई, अतिरिक्त जिला कलेक्टर सुरेंद्र सिंह पुरोहित, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरपत सिंह ने हरी झंडी दिखाकर शोभा यात्रा को रवाना किया। शोभायात्रा में सभी विभागीय अधिकारी, जिला प्रशासन समेत कई गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। शोभायात्रा में सबसे आगे थार महोत्सव के बैनर के साथ कलाकार तथा उनके पीछे सीमा सुरक्षा बल के सजे धजे ऊँट, हाथी, घोड़े, बीएसएफ के बैण्ड दल, ढोल थाली एवं नगाडे बजाते स्थानीय एवं विभिन्न प्रान्तों से आये कलाकार एवं रंग बिरंगी पोशाकों में सिर पर मंगल कलश लिए महिलाएं एवं बालिकाएं चल रही थी। इसी प्रकार गैर दल, ऊँट गाड़ों पर सवार लोक कलाकार गाते बजाते चल रहे थे। शोभायात्रा का आम जन में खासा उत्साह देखा गया तथा जगह-जगह पुष्प वर्षा कर शोभा यात्रा का स्वागत किया गया। शोभायात्रा गांधी चौक, अहिंसा सर्किल एवं नेहरू नगर पुलिया होते हुए आदर्श स्टेडियम पहुंची।

शोभायात्रा के आदर्श स्टेडियम पहुंचने पर जिला कलेक्टर लोक बंधु ने थार महोत्सव के कार्यक्रमों का शुभारम्भ किया। इसके बाद विभिन्न रोचक प्रतियोगिताओं का सिलसिला शुरू हुआ।

फकीरा खां द्वारा राजस्थानी गीत आओ नी पधारो म्हारो देश ने शमा बांध दिया। कार्यक्रम की अगली कडी में कैमल टैटू शो आयोजित हुआ। जिसमें बीएसएफ जवानों द्वारा ऊंटों के साथ रोचक मुकाबलों का प्रदर्शन किया तथा दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। साफा बांध प्रतियोगिता में जसवंत सिंह प्रथम स्थान पर रहे। संयुक्त परिवार के प्रतीक दादा-पोता दौड़ प्रतियोगिता में मूलाराम और उनके पोते महिपाल को प्रथम स्थान मिला। पति-पत्नी दौड़ प्रतियोगिता में हेमाराम व उनकी धर्मपत्नी मधु प्रथम स्थान पर रहे। पणिहारी मटका दौड़ प्रतियोगिता में चुंकी को प्रथम स्थान पर मिला। रस्साकसी प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग के जिला प्रशासन टीम एवं महिला वर्ग में गोमती एंड टीम विजेता रही। विजेता रहे प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

अजमेर में तारागढ़ की पहाड़ियों पर दिखाई दिया पैंथर

अजमेर में तारागढ़ पहाड़ी के मेन रोड पर घूमता पैंथर।

अजमेर, (कासं)। आधुनिकता की दौड़ में समाप्त हुए जंगलों के चलते भूख और प्यास के कारण जानवर शहरों की रुख कर रहे हैं। आरावली की पहाडियों के बीच बसे अजमेर शहर के रिहायशी इलाकों सहित उपखंडों के कई क्षेत्रों में पैंथर की मूवमेंट लगातार देखने को मिल रही है, जिससे लोगों में दहशत व्याप्त है।

शुक्रवार देर रात भी तारागढ़ की पहाड़ियों पर पैंथर दिखाई दिया। पैंथर आबादी क्षेत्र से गुजर रहा था, इसी बीच वहां से बाइक पर जा रहे युवक के सामने आ गया और दहाड़ मारने लगा। यह देखकर बाइक सवार वहां भाग छूटा। युवक ने पैंथर की दहाड़ मारते हुए का वीडियो मोबाइल से बनाया लिया। शनिवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो 17 मार्च की रात तारागढ़ की पहाड़ी पृथ्वीराज स्मारक मोड़ का बताया जा रहा है। वहीं लगातार एक ही क्षेत्र में पैंथर के मूवमेंट से क्षेत्रवासियों में दहशत का माहौल व्याप्त है। पैंथर की मूवमेंट की सूचना पर वन विभाग अलर्ट हो गया।

सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में शुक्रवार देर रात करीब दस बजे बाइक पर सवार हो दो युवक तारागढ़ की तरफ जा रहे थे। इसी बीच पृथ्वीराज स्मारक मोड़ के आस-पास बाइक सवार युवकों को अंजाम भी नहीं था कि उनका इंतजार वहां बैठा पैंथर कर रहा है। जैसे ही बाइक सवार युवक आगे की तरफ बढ़े तो अचानक पेंथर सामने आ गया और दहाड़ मारने लगा। यह देखकर दोनों बाइक सवार युवकों घबरा गए और वहां भाग छूटे। इसी दौरान वहां से कार में सवार एक युवक ने पेंथर के दहाड़ मारते हुए का वीडियो बनाया लिया और इसकी सूचना वन विभाग के अधिकारियों को दी।

वन विभाग ने की लोगों से सतर्कता बरतने की अपील : वन विभाग के रेंजर देशराज ने बताया कि गर्मी बढ? के साथ ही जंगल खाने और पानी की व्यवस्था नहीं होने के कारण पेंथर रास्ता भटककर आबादी क्षेत्र की ओर रुख कर रहे हैं। तारागढ़ में भी इसी कारण से पिछले कई दिनों से लेपर्ड का मूवमेंट हो रहा है। तारागढ़ पहाड़ी और जंगल क्षेत्र है, पेंथर एक बार देखा गया था। स्थानीय लोगों को इसके बारे में पता चला तो वे दहशत में आग गए और पिंजरा लगाने की मांग की। उन्होंने बताया कि इस घटना के बाद लगातार गश्त की जा रही है। पिंजरा भी लगाया लेकिन अभी तक लेपर्ड का मूवमेंट नजर नहीं आया। उन्होंने लोगों से सतर्कता बरतने की अपील की है।

वन विभाग के रिटायर्ड अधिकारी ने बताया कि तारागढ़ रोड पर देर रात तक स्थानीय लोगों के साथ ही जायरीनों की आवाजाही लगी रहती है। ऐसे में अगर पैंथर किसी पर हमला कर देगा तो उससे काफी नुकसान हो सकता है।

मगरा क्षेत्र बन रहा है असुरक्षित जोन : वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि मगरा क्षेत्र पेंथर के लिए अब असुरक्षित जोन बनता जा रहा है। टॉडगढ़-रावली से जुड़ी ब्यावर रेंज करीब दस हजार हैक्टेयर में फैली हुई है। इस क्षेत्र में खनन सहित अन्य हस्तक्षेप के बाद वन्य जीव पर संकट मंडरा रहा है। कुंभलगढ़ अभ्यारण्य से टॉडगढ़-रावली अभ्यारण्य जुड़ा हुआ है। करीब दौ सौ किमी की इस क्षेत्र में कई वन्य जीव विचरण करते है। रावली अभ्यारण्य से निकलकर यह पेंथर जैसे ही ब्यावर पुष्कर व अजमेर की सीमा में प्रवेश करते है, इससे संकट शुरू हो जाता है। जंगल की चौड़ाई महज चालीस से पचास किलोमीटर तक रह जाती है। इसके बीच में कई स्थान पर अवैध खनन हो रहा है। इसके चलते पेंथर सहित अन्य वन्य जीव भटककर आबादी क्षेत्र की ओर रुख कर रहे हैं।

96 स्कूल प्राइमरी से अपर प्राइमरी में क्रमोन्नत

- अब राज्य के इन नए अपर प्राइमरी स्कूल में कक्षा छह शुरू हो सकेगी
- माध्यमिक शिक्षा निदेशक ने जारी किये आदेश

बीकानेर, (निसं)। शिक्षा विभाग ने प्रदेश के 96 प्राइमरी स्कूल्स को अपर प्राइमरी स्कूल में प्रमोट कर दिया है। अब राज्य के इन नए अपर प्राइमरी स्कूल में कक्षा छह शुरू हो सकेगी। अगर स्टूडेंट्स की संख्या ज्यादा होगी तो कक्षा सात व आठ भी इसी साल शुरू कर दी जाएगी।

माध्यमिक शिक्षा निदेशक गौरव अग्रवाल की ओर से जारी आदेश में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में क्रमोन्नत करने की स्वीकृति दी गई है। नए प्रमोटेड स्कूल्स नए सेशन 2022-23 से शुरू होंगे। क्रमोन्नत विद्यालय में प्रारम्भ में कक्षा 6 संचालित की जायेगी, लेकिन पर्याप्त नामांकन होने पर कक्षा 7 व 8 भी साथ ही प्रारम्भ की जा सकेगी। क्रमोन्नत स्कूल में पदों का आवंटन विभाग में उपलब्ध आरक्षित पदों में से स्टाफिंग पैटर्न के आधार पर किया जाएगा। इन विद्यालयों में कमरों का निर्माण समग्र शिक्षा अभियान, नाबार्ड, एमपीएलएडी अथवा जन सहयोग के माध्यम से कराया जावेगा। क्रमोन्नत विद्यालय में शिक्षण कार्य प्रारम्भ करने के लिए सम्बन्धित मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी अपने एरिया के प्राइमरी व अपर प्राइमरी स्कूल से लगेंगे। जहां नामांकन की अपेक्षा कार्यरत शिक्षकों की संख्या अधिक है, उन विद्यालयों से अध्यापक (1-2) के 03 शिक्षक (नामांकन के आधार पर) लगाये जाएंगे।

अजमेर में एक, अलवर में दो, बांसवाड़ा में एक, बारां में एक, बाडमेर में तीन, भरतपुर में पांच, भीलवाड़ा में तीन, बीकानेर में चार, बूंदी में दो, चित्तौड़गढ़ में दो, चूरू में दो, दौसा में एक, धोलपुर में एक, डूंगरपुर में दो, हनुमानगढ़ में दो, जयपुर में सात, जैसलमेर में चार, जालोर में दो, झालावाड़ में एक, झुझुनूं में छह, जोधपुर में ग्यारह, करौली में पांच, कोटा में एक, नागौर में तीन, पाली में दो, प्रतापगढ़ में दो, राजसमंद में तीन, सवाई माधोपुर में एक, सीकर में छह, सिरोही में एक, टोंक में चार व उदयपुर में दो स्कूल प्राइमरी से अपर प्राइमरी में प्रमोट हुए हैं।

राशिफल रविवार 19 मार्च, 2023

पंडित अनिल शर्मा

चैत्र मास, कृष्ण पक्ष, द्वादशी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2079, धनिष्ठा नक्षत्र रात्रि 10:04 तक, सिद्ध योग रात्रि 8:06 तक, तैतिल करण प्रात: 8:08 तक, चन्द्रमा आज दिन 11:17 से कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मीन, चन्द्रमा-मकर, मंगल-मिथुन, बुध-मीन, गुरू-मीन, शुक्र-मेष, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज राजयोग सूर्योदय से प्रात: 8:08 तक है। द्विपुष्कर योग प्रात: 8:08 तक है। भद्रा रात्रि 4:56 से सोमवार दिन 3:22 तक है। आज प्रदोष व्रत है। त्रयोदशी तिथि का क्षय हुआ है। पंचक दिन 11:17 से आरम्भ होंगे।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: चर 8:06 से 9:36 तक, लाभ अमृत 9:31 से 12:35 तक, शुभ 2:04 से 3:34 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 6:35, सूर्यास्त 6:34

मेष

अपने आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। धार्मिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है।

वृष
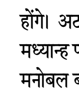

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। दिन के मध्यान्ह पश्चात महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मिथुन
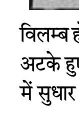

नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। महत्वपूर्ण कार्य बनने लगेंगे।

कर्क
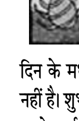
अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। दिन के मध्यान्ह पश्चात अष्टम भाव में चन्द्र शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

सिंह

स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। विवादित मामलों से राहत मिलेगी। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बढ़ेगा। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

कन्या
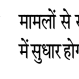
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। आज परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

तुला
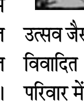
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

वृश्चिक
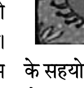
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिचितों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। धार्मिक कार्यों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

धनु

परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आज नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

मकर
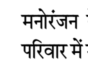
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। घर-परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। मित्रों परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

कुंभ
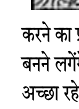
अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

मीन
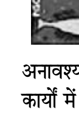
आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 30 संख्याः 135 प्रभात उदयपुर, रविवार 19 मार्च, 2023 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

गहलोत की आधा घंटे खड़गे से वन-टू-वन मुलाकात

खड़गे के निकट के लोगों के अनुसार कांग्रेसाध्यक्ष के निवास पर मुलाकात गहलोत के विशेष आग्रह पर आयोजित हुई थी

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- हालांकि, मुलाकात वन-टू-वन थी, तथा कोई सहायक या बाहरी व्यक्ति मौजूद नहीं था, पर, फिर भी यह आकलन है कि, प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा के भविष्य के बारे में चर्चा हुई, तथा रामेश्वर डूडी का नाम सबसे ऊपर चल रहा है, नये प्रदेशाध्यक्ष के लिये।
- जैसा कि, सोचा जा रहा था, मुलाकात में गहलोत ने 19 नये जिले बनाने के निर्णय पर अपनी पीठ थपथपाई, तथा निर्णय को ''गेम चेंजर'' (चुनाव का रुख बदलने वाला) साहसिक निर्णय बताया।
- इस मुलाकात के जरिये शायद मु.मंत्री यह ''संदेश'' देना चाहते थे कि, कांग्रेसाध्यक्ष व उनके बीच कोई मतभेद या समस्या नहीं है।
- मु.मंत्री रविवार दोपहर बाद जयपुर के लिए रवाना होंगे।

नई दिल्ली, 18 मार्च। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आज शाम छः बजे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ दिल्ली में उनके निवास पर आधा घंटे की मीटिंग की। खड़गे के आवास के सूत्रों ने कहा कि खड़गे ने गहलोत को नहीं बुलाया था। गहलोत ने ही उनसे मिलने का समया माँगा था, जो उन्हें दिया गया था।

सूत्रों का कहना है कि दोनों नेताओं की यह मीटिंग नितान्त एकांत में हुई तथा दोनों में से किसी का कोई सहायक वहाँ मौजूद नहीं था तथा यह ठीक-ठीक बता पाना मुश्किल है कि दोनों के बीच क्या बातचीत हुई।

बस इतना ही ज्ञात हो सका कि कई राजनैतिक मुद्दों पर बातचीत हुई। पहला और प्रमुख मद्दा वर्तमान पी.सी.सी. अध्यक्ष डोटासरा को हटाने से संबंधित था, जो सूत्रों के अनुसार, आज की जरूरत है क्योंकि पार्टी को इस साल विधानसभा चुनाव लड़ना है। एक संभावित दावेदार के रूप में रामेश्वर डूडी का नाम जोरों से चर्चा में है।

समझा जाता है कि गहलोत ने स्वयं ही अपनी पीठ थपथपाते हुये कांग्रेस अध्यक्ष को बताया कि उन्होंने किस तरह से 19 नये जिले बनाये हैं तथा उनका यह कदम ''गेम चेंजर सिद्ध होगा। दिल्ली में मूलरूप से यह चर्चा है कि इस मीटिग का उद्देश्य किसी ठोस बात से नहीं बल्कि औपचारिक एवं दिखावटी ज्यादा था। चूँकि गहलोत से

(शेष पृष्ठ 5 पर)

भीलवाड़ा में इस वर्ष करोना से पहली मौत

भीलवाड़ा, 18 मार्च (निसं)। ज़िले के सबसे बड़े अस्पताल महात्मा गांधी हॉस्पिटल (एम.जी.एच.) के नर्सिंग उप अधीक्षक की करोना से मौत हो गई। जिले में इस साल करोना से ये पहली मौत है। तीन दिन पहले तबीयत

- भीलवाड़ा जिले के सबसे बड़े अस्पताल, महात्मा गांधी हॉस्पिटल के नर्सिंग उप अधीक्षक महेन्द्र सिंह राठौड़ की मौत हो गई। राठौड़ हाल ही में करोना पॉज़िटिव आए थे और तबियत बिगड़ने पर उन्हें वैंटिलेटर पर भी रखा गया था।

खराब होने पर हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया था। करोना पॉजिटिव रिपोर्ट आने के बाद इलाज चल रहा था।

आर.आर.टी. प्रभारी डॉ. घनश्याम चावला ने बताया कि पिछले कुछ दिनों में करोना संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़ गई हैं। पिछले कुछ दिन में 21 संक्रमित मरीज सामने आए हैं। इनमें महात्मा गांधी हॉस्पिटल के उप नर्सिंग अधीक्षक महेंद्र सिंह राठौड़ भी शामिल थे। तबीयत खराब होने पर उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया था। शुक्रवार

(शेष पृष्ठ 5 पर)

मु.न्यायाधीश एक बार फिर ''कोलीजियम'' के बचाव में कूदे

यह सिस्टम चाहे ''परफैक्ट'' न हो, पर, उपलब्ध विकल्पों में सर्वोत्तम है''

-डा.सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- मु.न्यायाधीश ने जोर देकर कहा कि, सबसे महत्वपूर्ण बात है, न्यायपालिका की स्वतंत्रता बरकरार रहनी चाहिए।
- ''मेरे व विधि मंत्री के विचारों में (परसैप्शन में) भिन्नता हो सकती है। मुझे इन मतभेदों को मजबूत संविधान पर आधारित ''कॉमन सैंस'' से निपटना है।
- पर, फिर शायद कुछ संतुलन स्थापित करने की दृष्टि से मु.न्यायाधीश ने कहा कि, उनके 23 साल के न्यायाधीश के रूप में बीते जीवन में, उन पर कभी भी सरकार का दबाव नहीं आया कि, किस ''केस'' (मुकदमे में) क्या निर्णय देना है। इसका नवीनतम उदाहरण था, मुख्य चुनाव आयुक्त के चयन के बारे में सुप्रीम कोर्ट ने जो नई व्यवस्था फाइनल की।

नई दिल्ली, 18 मार्च। उच्च अदालतों में जजों की नियुक्ति में कार्यपालिका के दखल और देश की न्यायपालिका को नियंत्रण में रखने के मोदी सरकार के निरंतर प्रयासों के बीच चीफ जस्टिस ऑफ इण्डिया (सी.जे.आई.) डी. वॉय चन्द्रचूड़ ने आज यह कहते हुए वर्तमान कोलीजियम सिस्टम का पक्ष लिया कि ''कोई भी सिस्टम अपने आप में परिपूर्ण नहीं है, लेकिन उपलब्ध सिस्टम्स में यह सबसे अच्छा सिस्टम है।'' सी.जे.आई.ने इण्डिया टुडे कॉन्क्लेव 2023 में कहा कि यदि न्यायपालिका को बाहरी हस्तक्षेपों से बचाना है तो इसका स्वतंत्र होना जरुरी है।

जस्टिस चन्द्रचूड़ ने कहा कि ''कोई भी सिस्टम परफैक्ट नहीं होता, लेकिन हमने जो सिस्टम बनाए हैं, उनमें यह सर्वश्रेष्ठ है, क्योंकि हमारा उद्देश्य न्यायपालिका की आधारभूत स्वतंत्रता की रक्षा करना था।

सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम के प्रति अपनी नाखुशी व्यक्त करने वाले विधि मंत्री किरन रिजिजू के लिए भी सी.जे.आई.ने जवाब दिया। रिजिजू ने कोलीजियम द्वारा संवैधानिक कोर्टों में जजों की नियुक्ति के लिए की गई नामों की सिफारिशों को मंजूर नहीं करने के सरकार के कारण बताए थे।

सी.जे.आई.ने कहा कि ''वैचारिक भिन्नता में गलत क्या है? लेकिन मुझे अहम संवैधानिक राजकार्य के मद्देनजर ऐसे मतभेदों से निबटना पड़ता है।'' मैं विधि मंत्री के साथ मुद्दे में शामिल नहीं होना चाहता। हमारे विचारों में मतभेद होना तय है।''

रिजिजू जब से केन्द्री विधि मंत्री बने हैं, तब से वह सरकार की लड़ाई को सक्रिय होकर लड़ते रहे हैं। कोलीजियम सिस्टम के खिलाफ वह काफी मुखर रहे हैं। यहां तक कि एक बार तो उन्होंने इसे हमारे संविधान के लिए अनजान बता दिया था। जस्टिस चन्द्रचूड़ ने स्पष्ट रूप से संतुलन स्थापित करते हुए विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि केसों का निर्णय किस प्रकार किया जाए, को लेकर सरकार की तरफ से कोई दबाव नहीं है।

सी.जे.आई.ने कहा, ''जज के रूप में 23 वर्ष के कार्यकाल में, मुझ से किसी ने नहीं कहा कि मैं किसी केस का निर्णय कैसे करुँ। चुनाव आयोग सम्बन्धी निर्णय इस बात का प्रमाण है कि न्यायपालिका पर कोई दबाव नहीं है।'' सर्वोच्च न्यायालय ने अभी हाल में ही यह निर्णय दिया था कि मुख्य चुनाव आयुक्त एवं चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति उस कमेटी की सलाह पर राष्ट्रपति द्वारा की जायेगी, जिसमें प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता तथा भारत के मुख्य न्यायाधीश होंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की बड़ी प्रबल इच्छा रही है कि उच्च न्यायालयों और सर्वोच्च न्यायालय के जजों की नियुक्ति में सरकार की निर्णायक भूमिका हो। इसी लक्ष्य को साफ तौर पर मद्देनजर रखते हुये, मई 2014 में सत्ता में आने के बाद, मोदी सरकार ने अविलम्ब, अगस्त 2014 में ही नेशनल जूडिशियल अपॉइन्टमेन्ट्स कमीशन (एन.जे.ए.सी.) स्थापित करने के लिए एक विधेयक पेश कर दिया था।

दोनों सदनों से पारित हो जाने के बाद, 2015 में इस विधेयक ने अधिनियम का रूप ले लिया था। लेकिन सर्वोच्च न्यायालय की पाँच जजों की एक संविधान पीठ ने 16 अक्टूबर, 2015 को 4:1 के बहुमत से एन.जे.ए.सी. एक्ट को रद्द कर दिया था तथा कोलीजियम व्यवस्था को बहाल कर दिया था।

इन्टरनैशनल क्रिमिनल कोर्ट ने पुतिन के खिलाफ वॉरंट जारी किया

रूस के पूर्व राष्ट्रपति मेदवेदेव ने इस वॉरंट को ''टॉयलेट पेपर'' बताया

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- रूस के राष्ट्रपति की गिरफ्तारी की कोई संभावना नहीं है, क्योंकि इंटरनैशनल क्रिमिनल कोर्ट (आई.सी.सी.) को गिरफ्तारी का कोई अधिकार नहीं है, क्योंकि जिस संधि के अंतर्गत आई.सी.सी. का गठन हुआ है, न तो रूस और न ही अमेरिका ने उस संधि पर आज तक हस्ताक्षर किये हैं।
- पर आई.सी.सी. के वकील करीम खान ने कहा, 120 देशों ने इस संधि पर हस्ताक्षर किये हैं, अतः पुतिन यदि इन 120 देशों में से किसी देश की भूमि पर गये तो वे गिरफ्तार हो सकते हैं। अतः इस वॉरंट से उनके आवागमन पर कुछ प्रतिबंधन तो जरूर लगा है। और अगर बुरे दिन आये तो वे इन 120 देशों में से किसी देश में जाने पर गिरफ्तार भी हो सकते हैं।

नई दिल्ली, 18 मार्च। इन्टरनैशनल क्रिमिनल कोर्ट (आई.सी.सी.) ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीन पुतिन के यूक्रेन में युद्ध अपराध इंगित करते हुए उनके विरूद्ध गिरफ्तारी वारंट की घोषणा की है, लेकिन क्या पुतिन पर अन्ततः कोई आपराधिक मुकदमा चलाया जाएगा? इसका उत्तर शायद ना है।

इसका कारण यह है कि रूस अपने कट्टर प्रतिद्वंदी अमेरिका की भांति आई.सी.सी. का सदस्य नहीं है, इसलिए वॉरंट जारी करना कोई बड़ी बात नहीं है।

ध्यान देने वाली बात यह है कि आई.सी.सी. के पास संदिग्धों को गिरफ्तार करने की कोई पावर नहीं है और जिस संधि ''द रोम स्टेट्यूट'' के जरिए यह कोर्ट गठित किया गया, रूस उसका हस्ताक्षरकर्ता भी नहीं है। यह स्थिति किसी भी संदिग्ध के प्रत्यर्पण को करीब-करीब असंभव बना देती है।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

मध्यप्रदेश में ट्रेनर विमान क्रैश हुआ

इंदौर, 18 मार्च। मध्यप्रदेश के बालाघाट में शनिवार (18 मार्च,2023) को दोपहर को एक चार्टर प्लेन क्रैश हो गया। विमान में एक पायलट और सह- पायलट सवार थे। हादसे में दोनों की मौत हो गई। सूचना पर पुलिस घटनास्थल पर रवाना हो गई

- इस दुर्घटना में दोनों पायलटों की मौत हो गयी।

है। हादसा बालाघाट जिले के लांजी और किरनापुर के बीच भक्कुटोला-कोसमारा की पहाड़ी पर हुआ। चट्टान के बीच एक जली हुई लाश दिखाई दे रही थी, जबकि अधिकारी दूसरे की तलाश कर रहे थे। हादसे की सूचना मिलते ही बालाघाट पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस के मुताबिक, पायलट के साथ एक महिला ट्रेनी पायलट भी थी।

यह प्लेन महाराष्ट्र के गोंदिया जिले के बिरसी एयरपोर्ट का ट्रेनी विमान था। बिरसी एयरस्ट्रीप से एयरक्राफ्ट ने उड़ान भरी थी, जो दुर्घटनाग्रस्त हो गया है।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

किस को ज्यादा नुकसान होगा आंतरिक कलह से कर्नाटक में?

मई में होने वाले विधानसभा चुनाव में, संभवतया कांग्रेस को ज्यादा नुकसान होगा

-लक्ष्मण वेंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- अभी कांग्रेस का पलड़ा कुछ भारी लग रहा है, क्योंकि, 40 प्रतिशत कमीशन का कांग्रेस का आरोप, भाजपा सरकार पर जमता सा नज़र आ रहा है। पर, चुनाव के बाद सिद्धारमैया व शिव कुमार की प्रतिद्वंदिता जब खुलकर बाहर आयेगी, तो, हो सकता है, जीती हुई पारी, कांग्रेस गोल के नज़दीक पहुंचकर हार जाये।
- हालांकि येदियुरप्पा का, पुत्रवाद व परिवारवाद के मुद्दे पर विरोध जग जाहिर है, पर, फिर भी उनका खेमा उन्हें ही मु.मंत्री पद का मुख्य दावेदार मानता है। पर, भाजपा हाईकमान, पार्टी अध्यक्ष के मार्फत एक ही मैसेज दे रहा है लगातार कि, मु.मंत्री बोम्मई ही उनकी अगली पसंद हैं।

नई दिल्ली, 18 मार्च। कर्नाटक में दो प्रमुख दावेदार राजनैतिक दलों- सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी कांग्रेस में एक बात तो समान दिखाई दे रही है कि जैसे-जैसे राज्य के विधानसभा चुनाव नज़दीक आ रहे हैं, दोनों ही दलों में अंदरूनी लड़ाई बढ़ती जा रही है

वर्तमान विधानसभा का कार्यकाल मई में समाप्त हो रहा है तथा चुनाव-प्रक्रिया उससे पहले पूरी की जानी है।

अगर भाजपा के अंदर का आक्रोश एवं विद्रोह पार्टी को अलग-अलग दिशाओं में खींचता दिखाई दे रहा है, जैसा कि पार्टी के चुनाव प्रचार के दौरान, बी.एस. येदियुरप्पा के खिलाफ कार्यकर्ताओं के आक्रोश से संकेत मिला, यह आक्रोश उन पर उनके बयान की वापसी के लिये मजबूर करता प्रतीत हुआ, तो कांग्रेस में भी, उसके दो शीर्ष नेताओं- पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया तथा के.पी.सी.सी. प्रमुख डी.के. शिव

(शेष पृष्ठ 5 पर)

महिला ने चार युवकों पर दुष्कर्म का आरोप लगाया

बीकानेर, 18 मार्च (कासं)। महाजन थाने में शनिवार को एक महिला ने चार लोगों के खिलाफ अपहरण करने दुष्कर्म करने का मामला दर्ज करवाया। थाने में दर्ज मामले के अनुसार पीड़ित महिला ने बताया कि पति के साथ अनबन के चलते वह पिछले कुछ समय से अपनी

- बीकानेर के महाजन थाने में उक्त महिला ने रिपोर्ट दर्ज करवाई कि, चार लोगों ने जूस में नशीला पदार्थ पिलाकर उसका अपहरण कर दुष्कर्म किया।

बुआ के घर में रह रही है। बुआ के घर में देवीलाल कूंकणा का आना जाना रहता है। इसी के चलते गत 12 मार्च को भी वह घर आया था, तब घर पर कोई नहीं था तो मौका पाकर देवीलाल ने पीड़िता को जूस में कोई नशीला पदार्थ मिलाकर पिलाया, जिससे वह बेहोश हो गई। बेहोशी की हालत में उसका अपहरण कर लिया गया।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

सुजानगढ़, भीनमाल, तिजारा, कामां, शाहपुरा के जिला नहीं बनने पर उठे भारी विरोध के स्वर

लोगों ने स्थानीय विधायकों से इस्तीफे मांगे

- दूदू, गंगापुर सिटी, डीग - कुम्हेर को जिला बनाना लोगों के गले नहीं उतर रहा, क्योंकि जिला मुख्यालयों से इनकी दूरी 37 से 60 किलोमीटर तक ही है।
- तहसील और विधानसभा क्षेत्रों के बंटवारे भी आसान नहीं होंगे, स्थानीय विधायकों को डर सताने लगा है।

जयपुर, 18 मार्च (का.प्र.)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विनियोग विधेयक पारित कराने से पहले राजस्थान में 19 जिले और 3 संभागों की घोषणा की, जिसे मास्टर स्ट्रोक बताया जा रहा है और कहा जा रहा है कि इसके जरिए मुख्यमंत्री ने ना सिर्फ एंटी इनकंबेंसी थामने का प्रयास किया, बल्कि रूठों को भी चुप कराने का प्रयास किया है। दूसरी ओर इस घोषणा के अगले दिन ही जिस तरह से कई जगह से विरोध की आवाजें बुलंद हुई हैं और स्थानीय विधायकों का विरोध होने लगा है। उसके बाद लगता है कि जिले जहां बनाने थे, वहां बनाने के बजाय मुख्यमंत्री ने अपने नज़दीकी लोगों को खुश करने का प्रयास किया है। ऐसे में कई जिलों को लेकर बड़े सवाल भी उठ खड़े हुए हैं।

सबसे बड़ा सवाल तो यह खड़ा हुआ है कि जब जयपुर शहर को दो हिस्सों में बांटा जाना था, तो फिर दूदू को अलग से जिला बनाने की आवश्यकता कहां पड़ रही थी।

दूदू पहले से ही पंचायत मुख्यालय है, जयपुर से उसकी दूरी 60 किलोमीटर और अजमेर से उसकी दूरी 65 किलोमीटर है और साथ ही दूदू नेशनल हाईवे पर स्थित है। ऐसे में वहां जिला बनाया जाना किसी भी तरह से न्याय संगत नहीं है, क्योंकि ना तो दूदू की आबादी इतनी है, ना दूदू के आसपास की पंचायत समितियों की आबादी इतनी है कि उसे जिला बनाया जाए। इसी तरह से सवाई माधोपुर से अलग करके गंगापुर सिटी को जिला बनाया जाना न्याय संगत नहीं बताया जा रहा है। इसका कारण यह है कि गंगापुर सिटी जिला मुख्यालय सवाई माधोपुर से 70 किलोमीटर दूर है, साथ ही करौली जिला मुख्यालय से उसकी दूरी 50 किलोमीटर से भी कम है। ऐसे में गंगापुर सिटी को किसलिए जिला बनाया गया है, यह लोगों की समझ से परे है। कहा जा रहा है कि अपने दो नज़दीकी निर्दलीय विधायकों को खुश करने के लिए दूदू और गंगापुर सिटी को जिला बनाया गया है। इसके अलावा खैरथल, जिसकी अलवर से दूरी सिर्फ 47 किलोमीटर है, लेकिन इसके बावजूद उसे भी जिला घोषित कर दिया गया है, जिसे न्याय संगत नहीं बताया जा रहा है। नए जिलों के गठन में उपेक्षित छूट गए क्षेत्रों में भारी विरोध हो रहा है। सबसे बड़ा विरोध चुरू जिले के

(शेष पृष्ठ 5 पर)

सुजानगढ़ को जिला नहीं बनाने के कारण आक्रोशित लोगों ने नैशनल हाइवे-58 जाम कर दिया, दिनभर सुजानगढ़ के मुख्य बाजार बंद रहे। सालासर में आक्रोशित भीड़ ने टायर जलाकर हाइवे बंद कर दिया तथा सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

जिला घोषित नहीं करने के विरोध में सांभर बंद रहा

सांभरझील, (निसं)। सांभर को जिला घोषित नहीं करने के विरोध में आज जिला संघर्ष समिति के संयोजक विवेक शर्मा के नेतृत्व में हजारों लोगों ने धरना प्रदर्शन किया तथा विरोध स्वरूप सीएम गहलोत का पुतला जलाया। पृथ्वीराज सर्किल पर हुई सभा में अनेक वक्ताओं ने अपना विरोध जताया। सैकड़ों लोग देर तक रास्ता जाम कर धरने

- लोगों ने कई जगहों पर विरोध प्रदर्शन किया तथा मुख्यमंत्री गहलोत व स्थानीय विधायक कुमावत का पुतला फूंका।

पर बैठे रहे और जमकर नारेबाजी की तथा पूरे शहर में पैदल घूमे। सांभर का पक्ष मजबूत होने के बाद भी सरकार की ओर से इसे नज़रअंदाज करने पर व्यापार महासंघ ने भी रोष जताया और सभी प्रतिष्ठान बंद कर दिए गए तथा निर्णय लिया गया कि कल शाम तक सांभर की सभी दुकानें बंद रखी जाएंगी।

रविवार को उपखंड कार्यालय पर धरना प्रदर्शन व सभा का आयोजन किए जाने का ऐलान किया गया। वहीं दूसरी तरफ पांच बत्ती चौराहा पर भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष अशोक सिंवाल के नेतृत्व में लोगों ने सीएम गहलोत,

(शेष पृष्ठ 5 पर)

पिंडवाड़ा क्षेत्र के कई गांवों में हुई ओलावृष्टि, किसान फूट-फूटकर रोए

पहाड़ी गांव मोरस, मालेरा, घरटकी गांवों सहित कई इलाकों में बरसात के साथ ओले गिरे

पिंडवाड़ा, (निसं)। शहर सहित तहसील क्षेत्र में सप्ताह भर से लगातार बेमौसम बारिश का दौर जारी है। होली पर्व के दिन से दिन धुलेंडी और आज दिन तक पिंडवाड़ा शहर तहसील क्षेत्र के कई इलाकों में शनिवार शाम 5 बजे से मूसलाधार बारिश का दौर जारी रहा। उदयपुर मार्ग के पहाड़ी गांव मोरस, मालेरा, घरटकी गांवों सहित कई इलाकों में आधे घंटे तक आसमान के बादलों से बरसात के साथ ओले भी गिरे।

पिंडवाडा शहर में शनिवार को करीब शाम 5 बजे आसमान में काले बादल मंडराने लगे और बूंदाबांदी शुरू हो गई और फिर बादलों की गड़गड़ाहट के साथ तेज बारिश शुरू हो गई। शहर के सभी सड़कों पर पानी की नदियां बहने लगी बारिश और ओले पड़ने से तापमान में गिरावट आई है। आदिवासी क्षेत्र के कई गांव में बारिश के साथ साथ ओलावृष्टि हुई है। जिससे

■ **शहर की सभी सड़कों पर पानी की नदियां बहने लगी, तापमान में गिरावट आई**

फसलों को नुकसान की खबर है। वहीं गेंहू की फसल भी प्रभावित हुई है।

किसानों का कहना है कि इससे घर, आंगन और खेत में रखी फसल पूरी तरह खराब हो गई। वहीं पशुओं को खिलाने वाला भूसा भी गीला हो गया। ओले गिरने का क्रम करीब आधे घंटे तक चला। यहां बोर के आकार के ओले गिरे हैं। कई जगह खड़ी फसलें बर्बाद हो गई। इससे किसान फूट-फूटकर रो रहे हैं। बदले मौसम की वजह से किसानों का खासा नुकसान हुआ है। अधिकांश किसानों की गेहूं की फसलें खेतों में ही खड़ी है। ये फसल कुछ ही दिन में काटी जानी थी, लेकिन इससे पहले बेमौसम की ऐसी मार पड़ी कि खेत में ही फसल आडी हो गई। इससे दाना सिकुड़ जाएगा और दागी भी हो जाएगा। इस कारण किसानों को गेहूं के अच्छे रेट नहीं मिलेंगे। इसके अलावा कटकर खलिहान में रखी फसल भी बर्बाद हो गई। इसी तरह चने की करीब चालीस प्रतिशत तक फसल बर्बाद हो गई है। शहर सहित जैसी चित्र में 15 दिनों से दो-चार दिन छोडकर जारी बारिश से मौसम में ठंडक घुल गई है। इस कारण दिन और रात दोनों ही तापमान में गिरावट हुई है।

चूरू में बदली मौसम की फिजा

चूरू, (कासं)। चूरू में पिछले दो दिनों से बादलों की आवाजाही एवं हल्की बूंदाबांदी होने से मौसम की फिजा बदली हुई है। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार यहां पर शनिवार को अधिकतम 30.7 व न्यूनतम 17.8 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। बादलों की

■ **बूंदाबांदी से मौसम ने करवट ली**

आवाजाही होने एवं ठंडी हवाओं के चलने से गर्मी का असर काफी कम हो गया है। पिछले दिनों एकाएक बढ़े तापमान में गिरावट आने से रात को बारह बजे बाद मौसम ठंडा हो जाता है जिसका असर सुबह तक बना रहता है। इसी के साथ मच्छरों का प्रकोप भी शुरु हो गया है। जिससे रात को मच्छरों से बचाव के लिए पंखे चलने लगे हैं। इसी के साथ बदलते मौसम में मौसमी बीमारियां भी पांव पसारने लगी है।

बरसात से खेतों में खड़ी व कटी फसल खराब हुई

निवाई, (निसं)। उपखंड के दत्तवास, जगसरा, हिंगोनिया, तुर्किया, बंसीपुरा, कुरावदा, अरणिया, राजधानपुरा, नांगली ईसर आदि गांव में शुक्रवार की देर रात हुई बेमौसम बरसात से खेतों में कटकर पड़ी हुई फसलें खराब हो गई। जिससे किसानों को लाखों रुपए का नुकसान हुआ है।

मिली जानकारी के अनुसार शाम को तेज अंधड़ के साथ एक घंटे बेमौसम बरसात होने से पकी हुई गेहूं, सरसों, चना आदि की फसल खराब हो गई। कई खेतों में खड़ी हुई फसल तेज अंधड़ के कारण झुक गई। हवा से फसलें खेत में गिर गई जिससे किसानों को भारी नुकसान हुआ है।

फसल बर्बाद होने से किसानों में मायूसी छाई हुई है। किसान अनोखीलाल गुर्जर, हजारीलाल मीणा, रामसहाय मीणा, रामकरण मीणा, सीताराम गुर्जर, नंदसिंह, मुरारीलाल मीणा, छोटूलाल मीणा, राजाराम प्रजापत सहित किसानों ने फसल खराबे के मुआवजे की मांग की है।

निवाई उपखण्ड क्षेत्र में तेज अंधड़ व बारिश से खेतों में पड़ी हुई फसल।

ओलावृष्टि से किसानों की फसल को नुकसान

गंगापुर सिटी, (निसं)। तहसील क्षेत्र तलावडा में शुक्रवार देर शाम बारिश के साथ ओलावृष्टि से किसानों की रबी सीजन की गेहूं, सरसों, सौंप की फसल को नुकसान हुआ है। साथ ही टमाटर एवं तरबूज की फसल पूरी तरह नष्ट हो गई है।

पूर्व विधायक मानसिंह गुर्जर ने दूरभाष पर जिला कलेक्टर सहित उच्चाधिकारियों से वार्ता कर किसान को मुआवजा दिलाने की मांग की। शनिवार को पूर्व विधायक मानसिंह गुर्जर ने तहसील तलावडा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में पहुंचकर आपदा पीड़ित किसानों से मिले और खेतों में जाकर आपदा प्रभावित फसल को देखी।

उन्होंने अमरगढ़ चौकी, मच्छीपुरा, कुनकटा कलां, बाढ भावता, किशन की झोपडी, कडी गांवडी, नंदपुरा, मीनापाडा, बुचौलाई, ढाय सहित अनेक गांवों में पहुंचकर किसानों की फसल खराबे की जानकारी लेते हुए सरकार से शीघ्र ही मुआवजा दिलाने की मांग की। इस दौरान पूर्व विधायक मानसिंह गुर्जर, सरपंच विश्राम भोपा, सरपंच लाला अमरगढ , नत्थू पटेल, मनोज कुनकटा, अखेराम भोपा, बद्री पटेल, मांगीलाल गुर्जर, जगदीश, गोर्वधन सिंह ठाकुर, मुरारीलाल सेठ, चंदन मच्छीपुरा,पप्पू गांवडी, सीताराम गांवडी, जगराम गांवडी, मुकेश सैनी, राजू लाल सैनी, झम्मन अमरगढ चौंकी, धनसिंह सैनी सहित अनेक ग्रामीण मौजूद रहे।

विवाहिता की संदिग्ध अवस्था में मौत

पिता ने दहेज हत्या का मामला दर्ज कराया

बौंली, (निसं)। क्षेत्र के मित्रपुरा थाना अंतर्गत बपूई गांव में एक विवाहिता की संदिग्ध मौत हो गई। इस मामले को लेकर मृतका के पिता सत्यप्रकाश लक्ष्कार निवासी बरनाला ने ससुराल पक्ष के खिलाफ दहेज हत्या का मामला दर्ज कराया है।

मित्रपुरा सर्किल इंस्पेक्टर श्रीकिशन मीणा ने बताया कि शुक्रवार को मृतका प्रियंका उम्र 24 वर्ष पत्नी भानु प्रकाश लखेरा ने अपने कमरे में पंखे से साड़ी का फंदा लगा लिया जिसको उसके ससुराल पक्ष के लोग बौंली चिकित्सालय ले गए, चिकित्सालय में उसकी गंभीर हालत होने पर उसे सवाई माधोपुर जिला चिकित्सालय ले जाया गया जहां दौराने उपचार प्रियंका ने दम तोड़ दिया। मृतका प्रियंका का शनिवार को पोस्टमार्टम के बाद शव उसके पिता के सुपुर्द कर दिया गया। इस मामले को लेकर मृतका के

■ **लड़की होने के कारण ससुराल पक्ष नाराज रहता था**

पिता ने ससुराल पक्ष के सास, ससुर, ननंद सहित करीब 6 लोगों के खिलाफ दहेज हत्या का मामला दर्ज कराया है।

दर्ज रिपोर्ट में मृतका के पिता ने आरोप लगाया है कि मेरी दो पुत्रियों का विवाह 8 मार्च 2019 में बपूई निवासी महेश व उसके भाई भानुप्रकाश के साथ किया गया था। विवाह के बाद से ही ससुराल पक्ष प्रताड़ित कर दहेज की मांग करते रहते थे। उन्होंने दोनों पुत्रियों के साथ 1 दिन पहले भी मारपीट की थी। मृतका प्रियंका के 3 वर्ष की एक बच्ची भी है। लड़की होने के कारण ससुराल पक्ष नाराज रहता था।

करंट की चपेट से किसान की मौत

बाप, (निसं)। टेपू पंचायत में कानासी मोटी गांव में एक किसान करंट की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। किसान अपने ही नलकूप पर कृषि कार्य कर रहा था। एएसआई नासीर खां के अनुसार कानासी मोटी निवासी नखतसिंह पुत्र मगसिंह राजपूत ने दर्ज करवाई रिपोर्ट में बताया कि उसका

■ **किसान अपने ही नलकूप पर कृषि कार्य कर रहा था**

भाई प्रतापसिंह सुबह नलकुप पर कृषि कार्य कर रहा था। शुक्रवार को हल्की बरसात हुई थी, जिससे जमीन गीली थी। डिप्पी के पोल के बंधी ताण के पास से वह निकल रहा था तभी करंट की चपेट में आ गया। जमीन गीली होने के कारण पोल से बंधी ताण में करंट आने लगा था। हादसे के बाद परिजन उसे बाप स्थित सरकारी अस्पताल ले आए। यहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम करवाने के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया।

बाइक की टक्कर से राहगीर की मौत

टोंक, (निसं)। सदर थाना क्षेत्र में छावनी में बीती रात को बाइक की टक्कर से एक राहगीर घायल हो गया। इसकी सूचना मिलने के बाद परिजन और पुलिस मौके पर पहुंची और उसे सआदत लाया गया। जहां उसकी कुछ देर बाद ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवा दिया। शनिवार को सुबह पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

सदर थाने के सहायक उप निरीक्षक बाबू लाल खटाना ने बताया कि रमेश चंद (50) पुत्र भैरु लाल महावर कल देर शाम करीब साढे सात बजे खाना खाने के बाद घर से छावनी की ओर टहलने गया था। इस दौरान पीछे से बाइक ने टक्कर मार दी। बाइक सवार मौके से बाइक के साथ फरार हो गया। इस सडक हादसे में रमेश चंद महावर गंभीर घायल हो गया। इसका पता लगने के बाद पुलिस, परिजन मौके पर पहुंचे और उसे सआदत अस्पताल पहुंचाया। जहां कुछ देर बाद उसने दम तोड़ दिया। पुलिस इस मृतक के बडे बेटे विजय की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

वॉरियर्स ने मुंबई को दी टूर्नामेंट की पहली हार

मुंबई, 18 मार्च। यूपी वॉरियर्स ने सोफी एकलेस्टन (15/3) की अगुवाई में गेंदबाज़ों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के बाद ताहलिया मैकग्रा (38) और ग्रेस हैरिस (39) की महत्वपूर्ण पारियों की बदौलत विमेंस प्रीमियर लीग में शनिवार को मुंबई इंडियन्स पर पांच विकेट की शानदार जीत दर्ज की।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई 127 रन पर ऑलआउट हो गयी। वॉरियर्स ने मुंबई की कसी हुई गेंदबाजी के बावजूद 128 रन का लक्ष्य तीन गेंद रहते हासिल कर लिया।

एकलेस्टन ने स्पिनरों के लिये मददगार पिच का भरपूर फायदा उठाते हुए चार ओवर में सिर्फ 15 रन देकर तीन विकेट लिये। राजेश्वरी गायकवाड़ ने चार ओवर में 16 रन देकर दो विकेट लिये, जबकि अंजली सरवानी ने दो ओवर में 10 रन देकर एक विकेट चटकाया। दीप्ति शर्मा के चार ओवर में 35 रन बने लेकिन वह भी दो विकेट चटकाने में सफल रहीं।

मुंबई के लिये सलामी बल्लेबाज हेली मैथ्यूज़ ने 30 गेंद पर सर्वाधिक 35 रन बनाये, जबकि इसी वॉन्ग ने अंत में 19 गेंद पर चार चौकों और एक छक्के के साथ 32 रन की पारी खेलकर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया।

वॉरियर्स के लिये लक्ष्य हासिल करना आसान नहीं रहा और मुंबई ने उनके तीन विकेट 27 रन पर ही गिरा दिये। मैकग्रा और हैरिस ने इसके बाद चौथे विकेट के लिये 44 रन की साझेदारी बुनकर वॉरियर्स को संबल दिया। मैकग्रा का विकेट गिरने के बाद हैरिस ने दीप्ति शर्मा (13 नाबाद) के साथ भी 34 रन की साझेदारी की। जीत के करीब पहुंचकर हैरिस अपना विकेट गंवा बैठीं, लेकिन एकलेस्टन ने 20वें ओवर की तीसरी गेंद पर छक्का जड़कर वॉरियर्स को जीत दिलाई। यह डब्ल्यूपीएल के छह मुकाबलो में मुंबई की पहली हार है, हालांकि वह अब भी 10 अंक के साथ तालिका में पहले स्थान पर हैं। वॉरियर्स छह मैच में छह अंक के साथ तालिका में तीसरे स्थान पर कायम है।

वॉरियर्स ने डीवाई पाटिल स्टेडियम की पिच पर टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। कप्तान एलीसा हीली की सोच थी कि वह मुंबई पर दबाव बनाकर उसे छोटे स्कोर पर रोकेंगी। अंजलि और गायकवाड़ की जोड़ी ने पावरप्ले में इस योजना को अमलीजामा पहनाया।

सलामी बल्लेबाज हेली मैथ्यूज़ ने चौथे ओवर में ग्रेस हैरिस को दो छक्के जड़े, लेकिन यास्तिका भाटिया को रन बटोरने के लिये संघर्ष करना पड़ा। अंजलि ने पांचवें ओवर में यास्तिका (15 गेंद, सात रन) के संघर्ष को समाप्त करते हुए उन्हें बोल्ड किया, जबकि मुंबई पावरप्ले में सिर्फ 31 रन जोड़ सकी। इससे पहले कि मुंबई पारी की रफ्तार बढ़ा पाती, एकलेस्टन ने नैट सिवर ब्रंट को पांच रन के स्कोर पर पगबाधा कर दिया।

मैथ्यूज़ ने 10वें ओवर की आखिरी गेंद पर दीप्ति को छक्का जड़ा, हालांकि लगातार बड़ा शॉट मारने की ललक उनके विकेट का कारण बनी। वह एकलेस्टन की छोटी गेंद पर बड़ा शॉट मारने के प्रयास में विकेटकीपर एलीसा हीली को कैच दे बैठीं।

मैथ्यूज़ की तरह अमेलिया केर भी गायकवाड़ को बड़ा शॉट खेलने के प्रयास में तीन रन पर पवेलियन लौट गयीं। यहां से मुंबई की पारी को संभालने की जिम्मेदारी हरमनप्रीत कौर पर थी लेकिन उनके विकेट के साथ मुंबई की आधी टीम पवेलियन लौट गयी। हरमनप्रीत ने 22 गेंद की अपनी पारी में तीन चौकों सहित 25 रन बनाये।

मुंबई के पांच विकेट 81 रन पर गिरने के बाद हालांकि इसी वॉन्ग ने कुछ अच्छे शॉट खेलकर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। एक तरफ जहां अमनजोत कौर, हुमैरा काज़ी और धारा गुज्जर छोटे स्कोर पर आउट हो गयीं, वहीं वॉन्ग ने पार्शवी चोपड़ा को 15वें ओवर में दो चौके जड़े। वॉन्ग ने 20वें ओवर की शुरुआती दो गेंद पर एक छक्का और एक चौका जड़ा, हालांकि तीसरी गेंद पर दीप्ति के अचूक निशाने ने उन्हें रनआउट कर दिया। पारी की आखिरी गेंद पर दीप्ति ने इसी तरह साइका इशाक को रनआउट किया और मुंबई की पारी 127 रन पर सिमट गयी।

अपेक्षाकृत छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए वॉरियर्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही और मुंबई के गेंदबाजों ने उनके लिये जीत को मुश्किल बनाने का हर संभव प्रयास किया। सिवर-ब्रंट ने पहले ओवर में सिर्फ एक रन दिया, जबकि मैथ्यूज़ ने दूसरे ओवर में वाइड के माध्यम से एक रन देने के अलावा देविका वैद्या को भी पवेलियन लौटाया।

किरण नवगिरे ने तीसरे ओवर में आक्रामकता की झलकियां दिखाते हुए सिवर-ब्रंट को चौका जड़ा। इस ओवर में हीली और नवगिरे को एक-एक जीवनदान मिला, हालांकि दोनों ही बल्लेबाज इसका फायदा नहीं उठा सकीं। नवगिरे 16 गेंद पर 12 रन (एक चौका, एक छक्का) बनाकर जबकि हीली 10 गेंद पर आठ रन (एक चौका) बनाकर आउट हो गयीं।

हैरिस और मैकग्रा ने हालांकि इसके बाद पारी को संभाल लिया। मैकग्रा ने नौंवे ओवर में वॉन्ग को एक चौका और एक छक्का जड़कर अपने इरादे साफ कर दिये, हालांकि हैरिस को पिच पर पांव जमाने में समय लगा। मैकग्रा-हैरिस के बीच हुई 44 रन की साझेदारी में हैरिस ने 11 रन का योगदान दिया, जबकि मैकग्रा ने 25 गेंद पर छह चौकों और एक छक्के की बदौलत 38 रन बनाये।

मैकग्रा के आउट होने के बाद तेजी से रन बनाने का जिम्मा हैरिस ने अपने हाथों में ले लिया। शुरुआती 13 गेंद पर मात्र 11 रन बनाने वाली हैरिस ने 16वें ओवर में केर का शिकार होने से पहले 28 गेंद पर सात चौके जड़कर 39 रन बना डाले। वॉन्ग ने लॉन्ग-ऑन पर दौड़ते हुए कैच लपककर हैरिस को पवेलियन लौटाया, हालांकि इस समय तक वॉरियर्स 105 रन बना चुका था और उसे 26 गेंद में मात्र 23 रन की दरकार थी।

एकलेस्टन ने 18वें ओवर में और दीप्ति ने 19वें ओवर में चौका जड़कर अपनी टीम को जीत के करीब कर दिया। वॉरियर्स को आखिरी ओवर में पांच रन चाहिये थे। वॉन्ग ने पहली दो गेंदें डॉट फेंकीं लेकिन एकलेस्टन ने तीसरी गेंद पर छक्का जड़कर मुंबई को डब्ल्यूपीएल की पहली हार सौंप दी।

केर (दो विकेट) और साइका ने इस हार में सराहनीय गेंदबाजी करते हुए अपने-अपने चार ओवरों में 22-22 रन दिये। सिवर ब्रंट (चार ओवर, 24 रन), मैथ्यूज़ (चार ओवर, 26 रन) और इसी वॉन्ग (2.3 ओवर, 24 रन) को एक-एक विकेट हासिल हुआ।

आस्ट्रेलिया से दूसरा वनड़े आज

भारत की निगाहें वनडे श्रृंखला कब्जाने पर

विशाखापत्तनम, 18 मार्च। भारतीय टीम रविवार को जब दूसरे वनडे में आस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलने उतरेगी तो फिर से सभी की नजरें लोकेश राहुल और रविंद्र जडेजा पर लगी होंगी जिसमें नियमित कप्तान रोहित शर्मा भी टीम की अगुआई के लिये वापसी करेंगे जो मुंबई में पहला मैच नहीं खेल पाये थे।

भारत ने वानखेडे स्टेडियम में आस्ट्रेलिया को कम स्कोर वाले मैच में पांच विकेट से पराजित किया था जिसमें राहुल ने नाबाद 75 रन की संयमित पारी खेली थी। वह बॉर्डर-गावस्कर श्रृंखला के दौरान फॉर्म हासिल करने में जूझते दिखे थे जिससे उन्हें तीसरे और चौथे टेस्ट से बाहर कर दिया गया था।

जडेजा भी घुटने की चोट और फिर हुई सर्जरी के कारण करीब आठ महीने के बाद वनडे क्रिकेट खेल रहे थे, उन्होंने शुक्रवार को नाबाद 45 रन बनाये थे। उन्होंने साथ ही कसी गेंदबाजी करते हुए 46 रन देकर दो विकेट झटके जिससे 'प्लेयर ऑफ द मैच' बने।

भारत इस साल वनडे विश्व कप की मेजबानी कर रहा है और फॉर्म में चल रहे राहुल और पूरी तरह से फिट जडेजा टीम के लिये महत्वपूर्ण होंगे। तीन मैचों की यह श्रृंखला चयनकर्ताओं को इन दोनों की प्रगति का आकलन करने में मदद करेगी।

वहीं भारतीय टीम इस मुकाबले में जीत से श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल करना चाहेगी और बल्लेबाजी में भी सुधार करना चाहेगी क्योंकि एक समय टीम ने 39 रन तक चार विकेट गंवा दिये थे और बाद में स्कोर पांच विकेट पर 83 रन हो गया था जिसके बाद राहुल और जडेजा ने मिलकर मेजबान टीम को 61 गेंद रहते जीत दिलायी थी।

कप्तान रोहित शर्मा की वापसी से निश्चित रूप से शीर्ष क्रम मजबूत होगा जो आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क की रफ्तार और 'वैरिएशन' के आगे पस्त हो गया था।

मार्कस स्टोइनिस ने इशान किशन को तीन रन पर आउट कर दिया था। फिर स्टार्क ने तीन विकेट झटक लिये थे जिससे भारत काफी दबाव में आ गया था। विराट कोहली (04), सूर्यकुमार यादव (शून्य) और शुभमन गिल (20) जल्दी पवेलियन लौट गये थे।

भारतीय बल्लेबाज आस्ट्रेलिया के बायें हाथ के तेज गेंदबाजों के खिलाफ कभी कभार परेशानी में दिख रहे थे और बचे हुए दो मैचों में स्टार्क का सामना करने से उन्हें घरेलू परिस्थितियों में अच्छा अभ्यास मुहैया करायेगा क्योंकि ध्यान अक्टूबर-नवंबर में होने वाले विश्व कप के लिये तैयारियां करने पर लगा होगा।

रोहित पारी का आगाज करेंगे जिससे किशन को नियमित कप्तान के लिये जगह बनानी होगी।

कोहली और गिल के पहले वनडे में कम स्कोर बनाने को लेकर ज्यादा चिंता की जरूरत नहीं है लेकिन सूर्यकुमार यादव 50 ओवर के प्रारूप में अपनी लय हासिल नहीं कर पा रहे हैं जो चिंता का कारण बन सकता है।

टी20 अंतरराष्ट्रीय में विस्फोटकीय बल्लेबाजी के लिये मशहूर सूर्यकुमार अब भी वनडे में वैसी ख्याति अर्जित नहीं कर पाये हैं। इस साल सभी पांच वनडे में वह अर्धशतक नहीं जड़ पाये हैं।

श्रेयस अय्यर की वापसी के लिये कोई समयसीमा निर्धारित नहीं है, भारत चौथे नंबर के लिये सूर्यकुमार पर बरकरार रहेगा।

भारत के गेंदबाजों ने मुंबई में शानदार प्रदर्शन किया जिसमें तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज ने तेज गेंदबाजों की मददगार पिच पर बेहतरीन गेंदबाजी की। लेकिन कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव प्रभावित नहीं कर सके।

हालांकि टीम प्रबंधन के गेंदबाजी लाइन अप में छेड़छाड़ करने की उम्मीद नहीं है जिसमें हार्दिक पंड्या तीसरे तेज गेंदबाज की भूमिका निभायेंगे।

दूसरे वनडे के लिये मौसम की भविष्यवाणी आंधी के साथ बारिश की है जिसका मतलब है कि दोनों टीमों के तेज गेंदबाज गेंद को स्विंग कर सकते हैं।

आस्ट्रेलिया भी श्रृंखला के दौरान अलग संयोजन आजमाने की कोशिश करेगा। शुक्रवार को वे चार आलराउंडर - मिशेल मार्श, कैमरन ग्रीन, मार्कस स्टोइनिस और ग्लेन मैक्सवेल - के साथ उतरे थे। इससे वे भारत को ज्यादा परेशान नहीं कर सके थे जो कप्तान स्टीव स्मिथ के लिये चिंता की बात होगी।

विलियम्सन, निकोल्स के दोहरे शतक, न्यूजीलैंड 554 रन से आगे

वेलिंगटन, 18 मार्च। न्यूजीलैंड ने केन विलियम्सन (215) और हेनरी निकोल्स (200 नाबाद) के दोहरे शतकों की बदौलत श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट की पहली पारी में शनिवार को 580 रन का स्कोर खड़ा करके मुकाबले को अपनी गिरफ्त में कर लिया। श्रीलंका ने दूसरे दिन का खेल खत्म होने से पहले 26 रन पर दो विकेट गंवा दिये और उस पर दो मैचों की टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप होने का संकट मंडरा रहा है।

पहले टेस्ट में मैच-जिताऊ शतक जड़ने वाले विलियम्सन ने यहां भी अपनी तकनीकी श्रेष्ठता का प्रदर्शन करते हुए 296 गेंद पर 23 चौकों और दो छक्कों के साथ 215 रन बनाये। निकोल्स ने उनका साथ दिया और न्यूजीलैंड की पारी घोषित होने पर 200 रन बनाकर नाबाद रहे। निकोल्स ने 240 गेंद की पारी में 15 चौके और चार छक्के जड़े।

न्यूज़ीलैंड ने दिन की शुरुआत 155/2 से की और विलियम्सन ने 26 रन के स्कोर से आगे खेलते हुए अटूट धैर्य का प्रदर्शन किया। उन्होंने बिना कोई जोखिम लिये अपना 28वां टेस्ट शतक जड़ा और फिर उसे छठे दोहरे शतक में तब्दील किया।

सीएसके की निगाहें 'मेजर लीग क्रिकेट' की टेक्सास टीम में हिस्सेदारी पर, जल्द होगी घोषणा

चेन्नई, 18 मार्च। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) की छह टीमों में से एक टेक्सास टीम में हिस्सेदारी हासिल करने पर नजर लगाये है।

चार बार की इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) विजेता टीम सीएसके ने शनिवार को खुलासा किया कि वे अमेरिका में नये टी20 टूर्नामेंट के साथ अपने जुड़ाव के संबंध में 'बड़ी घोषणा' जल्द ही करेंगे।

लिवरपूल मिडफील्डर लीवा ने दिल की बीमारी के बाद संन्यास लिया

पोर्तो एलेग्रे, 18 मार्च। ब्राजील, लिवरपूल और लाज़ियो के पूर्व मिडफील्डर 36 वर्षीय लुकास लीवा ने नियमित चिकित्सा परीक्षणों में दिल की बीमारी का पता लगने के बाद शुक्रवार को फुटबॉल से संन्यास लेने की घोषणा की।

उन्होंने ब्राजील के क्लब ग्रेमियो में संवाददाता सम्मेलन में यह घोषणा की। उन्होंने 2005 में इस क्लब से अपने करियर की शुरुआत की थी और यहीं उनका फुटबॉल सफर समाप्त हुआ। लीवा ने 2007 से 2017 के बीच लिवरपूल का प्रतिनिधित्व किया और वह 2012 में इंग्लिश प्रीमियर लीग जीतने वाली टीम का हिस्सा भी रहे थे। वह पांच सीजन के लिये लाज़ियो में शामिल हुए और 2019 में इटालियन कप जीता। रक्षात्मक मिडफील्डर पिछले साल ग्रेमियो में लौट आये थे।

एबी डिविलयर्स और क्रिस गेल की जर्सी के नंबर 'रिटायर' करेगा आरसीबी

बेंगलुरू, 18 मार्च। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) एबी डिविलियर्स और क्रिस गेल द्वारा पहनी गयी जर्सी के नंबर को 'रिटायर' कर देगा जब इन दोनों महान क्रिकेटरों को 26 मार्च को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टीम के 'हॉल ऑफ फेम' में शामिल किया जायेगा।

आरसीबी ने ट्वीट किया, "जर्सी नंबर 17 और 333 को हमेशा के लिये 'रिटायर' (अलविदा) कर दिया जायेगा।"

सार-समाचार

झांसा देकर जेवरात हड़पे

उदयपुर, (कासं)। कार में सवार बदमाश जीवन ठीक करने का झांसा देकर पीडित के जेवरात खुलवा ले गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित न्यू शक्तिनगर निवासी गोपाल पुत्र गेहरीलाल मेहता ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया कि 17 मार्च को मत्था टेक कर शास्त्री सर्कल सामने गेट पर खड़ा था। इस दौरान आई कार में सवार व्यक्ति ने हनुमान टेकरी के लिए पूछा। इंकार करने पर शमशान घाट के लिए पूछा तो बदमाश मुझे कार में बिठा ले गए। इस दौरान कार में सवार व्यक्ति ने नागासाधु होने तथा प्रधानमंत्री सहित अन्य बडी हस्तियों की जीवन ठीक करने का हवाला देते हुए मेरा जीवन ठीक करने की बात कही। इस दौरान उन्होंने मेरे हाथ से घडी निकलवा कर रूद्राक्ष व 10 रूपये हाथ में थमा दिए तथा वापस घडी पहना दी। इसी सोने की अंगुठी व गले से चेन निकलवा ली तथा बातचीत करते हुए मुझे कार से उतार कर फरार हो गए। जिनका सिटी स्टेशन तक पीछा भी किया लेकिन वे फरार हो गए।

हादसे में युवक की मौत, दो घायल

उदयपुर, (कासं)। प्रतापनगर थाना क्षेत्र में ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में युवक की मौत हो गई तथा दो साथी घायल हो गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार अपरान्ह में प्रतापनगर थानाक्षैत्र सुखेर रोड़ पर स्थित एमएलएसयू स्वर्ण जयंती पार्क के समीप ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार बडी निवासी लक्षित पुत्र खेमराज चौबीसा की मौत हो गई तथा उसके साथी हेमन्त शर्मा व केतन मैनारिया घायल हो गए। तीनों डबोक परीक्षा देने गए थे जहां से वापस घर लौट रहे थे और बीच रास्ते में यह हादसा हो गया। सूचना मिलने पर हेडकांस्टेबल लालसिंह ने मौके पर पहुंच तीनों को एमबी चिकित्सालय पहुंचाया। जहां लक्षित को मृत घोषित कर दिया तथा दोनों घायलों हेमंत व केतन को उपचार के लिए चिकित्सालय में भर्ती करवाया। पुलिस ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंपा।

महिला ने फांसी लगाई

उदयपुर, (कासं)। हिरणमगरी थाना क्षेत्र में महिला ने अपने कमरे में फांसी लगा आत्महत्या कर ली। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार सांय वाजमिया हॉल हिरणमगरी थाना क्षैत्र पाराखेत निवासी लीला (28) पत्नी देवीलाल गमेती ने अपने कमरे में फांसी लगा आत्महत्या कर ली। लीला अपने पति को छोड कर अकेली रह रही थी। शाम को बच्चों को मरने की धमकी देते हुए कमरा बंद कर दिया था। इस पर छोटे बच्चों ने किराणा दुकान को बताया। इस पर दुकानदार व पड़ोसियों ने आकर किवाड तोड कर पुलिस को सूचना दी। इस पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर लीला को फांसी के फंदे से नीचे उतार चिकित्सालय पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

दुष्कर्म का मामला दर्ज

उदयपुर, (कासं)। पीडिता का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडिता ने आरोपी पानड कुराबड़ निवासी सुनिल मीणा पुत्र रामजी के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया कि 2 मार्च को आरेपी मुझे बहला फुसला कर अपने साथ बैंगलौर ले गया। जहां उसने बंधक बनाए रख मेरे साथ दुष्कर्म किया। वहां से लौटने पर परिजनों को घटना की जानकारी बता कर प्रकरण दर्ज करवाया। इस मामले में पीडिता के पति ने गुशमुदगी दर्ज करवाई थी। इस पर पुलिस उसे दस्तियाब कर लाई तब उसने आपबीती बताई।

नकदी हड़पी, मामला दर्ज

उदयपुर, (कासं)। मित्र के नाम से ऑनलाइन नकदी वसूल कर हडपने वाले के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। प्रकरणके अनुवसार देवपुरा देवगढ हॉल कुंभानगर हिरणमगरी सेक्टर4 निवासी चन्द्रशेखर चुण्डावत ने साईबर पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। कि 16 मार्च को अज्ञात आरोपी ने मित्र की मेल व अन्य आईडी हेक कर मुझसे बातचीत की। इस दौरान मित्र का नाम लेते हुए उसने बातों बातों में मुझसे 3-4 टुकडों में एक लाख रूपये पेटीएम करवा लिए। फोन करने पर बातचीत नहीं हो पाई। कुछ देर बाद दुबारा बातचीत करने पर ठगी होने का खुलासा हुआ।

मेवाड़ महोत्सव की तैयारियों की कलेक्टर ने की समीक्षा

जिला कलेक्टर ताराचंद मीणा (बीच में) ने मेवाड़ महोत्सव की तैयारियों की बैठक में चर्चा की।

- मरू महोत्सव की तर्ज पर गतिविधियां आयोजन करने के दिए निर्देश

उदयपुर, (कासं)। जिला कलेक्टर ताराचंद मीणा ने कहा है कि मेवाड़ और महाराणा प्रताप का नाम देश-दुनिया में प्रसिद्ध है, ऐसे में मेवाड़ महोत्सव का आयोजन भी मरू महोत्सव की तर्ज पर विविधता लिए हुए गतिविधियों के साथ किया जाए तो यहां आने वाले पर्यटक मेवाड़ महोत्सव में भाग लेने के लिए कार्यक्रम तय करते हुए आ सकते हैं। कलेक्टर मीणा ने यह बात जिले में 24 से 26 मार्च तक आयोजित होने वाले मेवाड़ महोत्सव की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं के संबंध में शनिवार को संबंधित विभागीय अधिकारियों की बैठक के दौरान कही।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि मेवाड़ महोत्सव पर गतिविधियों का आयोजन पूरे जिले में होना चाहिए और यह भी ध्यान रखा जावें कि मेवाड़ गौरव महाराणा प्रताप से जुड़े स्थानों पर भी इस प्रकार की गतिविधियां आयोजित हो। उन्होंने पर्यटन उपनिदेशक को निर्देश दिए कि फिलहाल तय गतिविधियों के साथ महोत्सव आयोजित हो परंतु आगामी दिनों में आने वाले विश्व पर्यटन दिवस पर इस प्रकार की गतिविधियों के लिए प्रस्ताव तैयार कर प्रेषित करें ताकि गतिविधियां आयोजित हा सके।बैठक में कलक्टर ने मेवाड़ के गौरव एवं लोक संस्कृति पर आधारित इस आयोजन में विभिन्न विभागों को अलग-अलग दायित्व सौंपें व पूर्ण समन्वय के साथ आयोजन को भव्य बनाने के निर्देश दिये।

लर्निंग विजिट में उद्योग प्रतिनिधियों ने भाग लिया

उदयपुर, (कासं)। सीआईआई ने सीआईआई-वाईआई सदस्यों के लिए सिक्योर मीटर्स लिमिटेड के मैनुफेक्चरिंग प्लांट उदयपुर में एक लर्निंग विजिट का आयोजन किया। लर्निंग विजिट में उदयपुर, जयपुर, अजमेर कोटा के 25 से अधिक उद्योग प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

सीखने की यात्रा का उद्देश्य उद्योगों को उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने और हर रोज विकसित और अप्रचलित प्रौद्योगिकी की चुनौतियों का सामना करने के लिए व्यावसायिक उत्कृष्टता का निर्माण करने के लिए 'नए समाधान और अभिनव विचार' खोजने में मदद करना था।सिक्योर मीटर लिमिटेड की स्थापना 1987 में इलेक्ट्रॉनिक युग के आगमन पर हुई थी। वैश्विक मीटरिंग डोमेन में सर्वश्रेष्ठ सैद्धांतिक विकास के साथ भारतीय मितव्ययी इंजीनियरिंग को जोड़कर, सिक्योर दुनिया का पहला व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य ऊर्जा मीटर बनाने में सक्षम था। तब से, कंपनी उदयपुर के प्रांतीय शहर से सभी भारतीय राज्यों में विकसित हुई थी। उनके उत्पाद अब 60 से अधिक देशों में स्थापित हैं। सिक्योर मीटर लिमिटेड के साथ नौ देशों -भारत (मुख्यालय), ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इटली, मलेशिया, सिंगापुर, स्वीडन, यूएई और यूके में 6,500 से अधिक लोग काम करते हैं। कंपनी की घाना और मलेशिया में दो विनिर्माण साझेदारियां हैं, जिसने उन्हें अफ्रीका और दक्षिण पूर्व एशिया के तेजी से उभरते और प्रमुख बाजारों में योगदान करने में सक्षम बनाया है। यात्रा के दौरान, कुणाल बागला, अध्यक्ष, सीआईआई उदयपुर जोनल काउंसिल ने कहा कि मिशन ने उद्योगों के प्रतिनिधियों को सिक्योर मीटर्स लिमिटेड की तकनीकी ताकत पर प्रत्यक्ष प्रदर्शन और अंतर्दृष्टि रखने का अवसर दिया, साथ ही कार्यस्थल पर विभिन्न नवीन और सफल प्रथाओं को साझा किया। उन्होंने यह भी कहा कि यह तकनीकी उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए भारतीय उद्योग द्वारा उठाए जाने वाले निर्देशों पर विचार साझा करने के लिए एक मंच भी प्रदान करता है। अनन्य सिंघल, संयुक्त प्रबंध निदेशक, सिक्योर मीटर लिमिटेड ने सीआईआई-वाईआई प्रतिनिधिमंडल के साथ बातचीत की और साझा किया कि एक जिम्मेदार संगठन के रूप में कंपनी ऊर्जा की बर्बादी को कम करने में मदद करने के लिए घरों व्र कार्यस्थलों में ऊर्जा के उपयोगकर्ताओं पर ध्यान केंद्रित करती है।

पेसिफिक हॉस्पिटल में बच्ची की सफल सर्जरी

पेसिफिक हॉस्पिटल, उमरड़ा में बच्ची की सफल सर्जरी की गई।

उदयपुर, (कासं)। पेसिफिक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (पिम्स) हॉस्पिटल, उमरड़ा में चिकित्सकों ने गंभीर हालत में आई बच्ची की सफल सर्जरी की है।

चेयरमैन आशिष अग्रवाल ने बताया कि आमलिया, उदयपुर निवासी 03 वर्षीय बच्ची को गंभीर हालत में परिजन पिम्स हॉस्पिटल, उमरड़ा लेकर आए। बच्ची को झेल्द-ईंर्ह्मॅंग्म ण्ड्रे नामक बीमारी थी। यह बीमारी पेंक्रियाज में सूजन के बाद कुछ मरीजों में होती है। इसमें गंदा पानी भरी हुई रसौली बन जाती है व गंभीर रूप ले सकती है। बच्ची की रसौली बहुत विशाल आकार ले चुकी थी व श्वांस लेने में दिक्कत के कारण ऑक्सीजन की निरंतर जरूरत बनी हुई थी। इमरजेंसी उपचार के बाद बच्ची को जल्द ही सर्जरी के लिए लिया गया सिस्टो-गैस्ट्रोस्टॉमी प्रक्रिया की गई। बच्ची के स्वास्थ्य में बहुत तेजी से सुधार हुआ व पूरी तरह से स्वस्थ हालत में छुट्टी कर दी गई। मरीज का इलाज चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत नि:शुल्क हुआ है।पीडियाट्रिक सर्जन डॉ. अतुल मिश्रा ने बताया कि यह प्रक्रिया उनके विभाग के दूसरे ऑपरेशनों की तरह जटिल नहीं थी परन्तु जिस हालत में बच्ची आई थी उसे देखते हुए यह उनके (पीडियाट्रिक सर्जरी) व पीडियाट्रिक मेडिसिन विभाग की बड़ी सफलता है।

'झूठी प्रतिष्ठा के लिए निगम के कार्यों का कर रहे दुष्प्रचार'

- महापौर ने कहा कि कचरा संग्रहण कार्य में जो भ्रांतिया फैलाई जा रही है वो पूरी तरह से झूठी है

उदयपुर, (कासं)। नगर निगम महापौर गोविंद सिंह टाक ने उदयपुर नगर निगम के किए जा रहे दुष्प्रचार को आड़े हाथों लेते हुए सामने बैठकर बात करने की चेतावनी दी है। महापौर ने उदयपुर के सर्वांगीण विकास को लेकर कोई भी कमी नहीं रखने की बात कहते हुए हुए इसके खिलाफ कर रहे दुष्प्रचार करने वाले के खिलाफ रोष प्रकट किया है।

नगर निगम महापौर ने कहा की कोरोना काल के पश्चात नगर निगम द्वारा लगातार वृहद स्तर पर विकास कार्यों कीर्तिमान किया जा रहा है। सितंबर माह में आयोजित हुए जी 20 सम्मेलन में निगम द्वारा शहर में करोड़ों रुपए के विकास कार्य संपादित किए गए।21 से 23 मार्च तक फिर से जी 20 सम्मेलन उदयपुर में ही आयोजित किया जा रहा है। निगम द्वारा किए जा रहे उदयपुर के विकास को देखकर कुछ लोग बोखला गए हैं एवं जानकारी के अभाव में अनर्गल दुष्प्रचार करते हुए खुद का प्रचार करने में लगे हुए हैं। नगर निगम विकास उदयपुर के विकास में किसी भी प्रकार की कमी नहीं रखेगा। शहर विकास में प्रथम पायदान पर ले जाना एकमात्र लक्ष्य है उस लक्ष्य को हम हासिल करके रहेंगे।

महापौर ने प्रश्नों पर स्पस्टीकरण देते हुए कहा है कि निगम में विकास कार्यों के दौरान किसी भी कार्य को लेकर कोई शिकायत या गड़बड़ी प्राप्त हुई है तो निगम द्वारा तुरंत कार्रवाई की गई है। निगम द्वारा कभी भी किसी गलती को नजरंदाज नहीं किया है। महापौर ने कहा कि कचरा संग्रहण कार्य में जो भ्रांतिया फैलाई जा रही है वो पूरी तरह से झूठी है। नगर निगम उदयपुर के कुल 70 वार्डो में प्रात:कालीन डोर टू डोर कचरा संग्रहण 16 वार्ड में फिनिश सोसायटी 20 वार्डो में मैसर्स ठाकुर इन्टरप्राईजेजए 22 वार्डो में मेसर्स नागेन्द्र रॉय प्राईवेट लिमिटेड तथा 12 वार्डो में सुप्रिम कन्स एजेन्सियों द्वारा किया जा रहा।

महापौर ने फर्जी बिलों के भुगतान और आज तक एफआईआर दर्ज नहीं पर अपना रूख स्पष्ट करते हुए कहा कि नगर निगम को डम्पर के बिलो के गलत भुगतान के संबंध में प्रकरण संज्ञान में आने के पश्चात आयुक्त नगर निगम द्वारा जांच हेतु उपायुक्त की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन गया था। समिति की जांच रिपोर्ट के आधार पर संवेदक द्वारा गलत तथ्यों के आधार पर बिल प्रस्तुत करने की अनियमित कार्यवाही के विरूद्ध संबंधित थाने में एफआईआर दर्ज कराने एवं संवेदक की प्रतिभूति राशि जब्त करने के साथ उसके बिलों का भुगतान रोकते हुए सिविल कार्य का रजिस्ट्रेशन भी रद्द किया गया।

दुनिया के सभी विकसित देशों की तरक्की में राजस्थानियों का महत्वपूर्ण योगदान : डॉ.पूनियां

दुबई में आयोजित हुये प्रवासी राजस्थानी सम्मेलन में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने प्रवासी राजस्थानियों के साथ सेल्फी ली।

- 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल एवं मजबूत नेतृत्व से भारत की साख दुबई से लेकर पूरी दुनिया में बढ़ी'

दुबई/जयपुर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने दुबई के एक दिवसीय प्रवास पर विभिन्न प्रवासी सम्मेलनों में राजस्थानियों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने दुबई में इंडियन पीपुल्स फोरम, 'राजस्थान बिजनेस एवं प्रोफेशनल ग्रुप' के साथ महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की और प्रवासी भारतीय कुशल श्रमिकों से संवाद किया।

दुबई के प्रवासी राजस्थानियों ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल एवं मजबूत नेतृत्व से भारत की साख दुबई से लेकर पूरी दुनिया में बढ़ी है, जिसका हमें उद्योगों और संस्कृति की मजबूती से लेकर मान-सम्मान में बड़ा लाभ मिला है और विदेशों में काम करने वाले भारतीय कुशल श्रमिकों के वेतन, सुरक्षा, अनुकूल वातावरण और स्वाभिमान को लेकर भी सुविधाओं में सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ विस्तार हुआ है, जो सभी भारतीयों के लिये गर्व की बात है।

पूनियां ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दुनिया के किसी भी देश में जाते हैं तो वहां प्रवासी भारतीयों से संवाद को प्राथमिकता देते हैं। जिससे उनके हाल-चाल जानते हैं और उनसे संबंधित कार्यों को केन्द्र की मोदी सरकार प्राथमिकता से अमल में लाती है और यह साबित करता है कि मोदी सरकार प्रवासियों के हर सुख-दुख में उनके साथ चट्टान की तरह मजबूती से खड़ी रहती है, चाहे कोरोनाकाल में लोगों की वतन वापसी की बात हो, रूस-यूक्रेन युद्ध में लोगों की स्वदेश वापसी की बात हो, हर परिस्थिति में केन्द्र की मोदी सरकार भारतीय और प्रवासी भारतीयों के हितों के लिये काम करती है।

दुनिया के सभी विकसित देशों की तरक्की में भारतीयों और राजस्थानियों का महत्वपूर्ण योगदान है और साथ ही प्रवासी राजस्थानी अपनी कर्मभूमि की तरक्की के साथ-साथ जन्मभूमि के विकास में भी निरंतर योगदान देते हैं, यह हमारी जड़ों के प्रति हमारा जुड़ाव को मजबूत करता है।

उन्होंने कहा कि, राजस्थान में 2023 में भाजपा की सरकार बनने पर हर प्रवासी के साथ भाजपा की सरकार मजबूती से हमेशा खड़ी रहेगी, विभिन्न देशों में रहने वाले प्रवासी राजस्थानियों को राजस्थान में उद्योग लगाने के लिये नियमों का सरलीकरण किया जाएगा, जो वर्तमान कांग्रेस सरकार नहीं कर रही है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस शासन में प्रदेश की बिगड़ी कानून व्यवस्था एवं महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अत्याचारों से ना केवल उद्यमी उद्योग लगाने से पीछे हट रहे हैं, बल्कि तमाम उद्योग पलायन भी कर गये और पर्यटकों की संख्या में भी कमी आई है।

भाजपा प्रवासी प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक राजू मंगोड़ीवाला ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट प्रवासियों को जोड़ना व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां के आव्हान पर पहली बार देश विदेश के कोने-कोने तक रह रहे राजस्थानी प्रवासी संगठित हो रहे हैं।

इंटरनेशनल सिंधी दिवस पर इंडियन कांस्युलेट ऑडिटोरियम में ग्लोबल बिजनेस फेडरेशन व सिंधी समाज दुबई द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लिया, जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (जीटो) की दुबई शाखा के वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में शामिल हुये।

प्रवासी प्रकोष्ठ के सह संयोजक तेजराज सोलंकी, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मुकेश विजय, दुबई में आशीष गर्ग, अविनाश जागेटिया, सुनील जागेटिया, पंकज जैन, जितेन्द्र वैध, चन्द्रशेखर भाटिया, योगेश विजय, राधेश्याम सुथार, गणेश सुथार, केसर कोठारी, आलोक भार्गव, राकेश बोहरा, जी.आर.मेहता, नवीन शर्मा व प्रवीण मेहता सहित दर्जनों प्रवासी बंधुओं ने भाग लिया।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले सतीश पूनियां कर्नाटक, गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, नई दिल्ली, तेलंगाना इत्यादि राज्यों में मिशन 2023 और 2024 को लेकर प्रवासी राजस्थानी सम्मेलनों में शामिल हो चुके हैं।

नेशनल नियोनेटोलॉजी का वार्षिक सम्मेलन 24 से

राज्यपाल कलराज मिश्र से शनिवार को जयपुर नियोनेटोलॉजी राष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजन अध्यक्ष डॉ. अशोक गुप्ता व आयोजन सचिव डॉ. जे.के. मित्तल ने मुलाकात की।

जयपुर, (का.सं.)। नेशनल नियोनेटोलॉजी फोरम राजस्थान और आईएपी जयपुर शाखा के सहयोग से इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स, नियोनेटोलॉजी चैप्टर का 3 दिवसीय कार्यशाला सह राष्ट्रीय सम्मेलन 24-26 मार्च को बिड़ला ऑडिटोरियम जयपुर में आयोजित किया जाएगा।

आयोजन के अध्यक्ष डॉ. अशोक गुप्ता ने बताया कि इस मेगा इवेंट में नियोनेटोलॉजी के क्षेत्र में प्रसिद्ध अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय फैकल्टी और विशेषज्ञों की मेजबानी की जाएगी। क्षेत्र में कुछ अग्रदूतों डॉ. विनीत भंडारी (यूएसए), डॉ अभय लोढ़ा (कनाडा), डॉ शेरे कुओ (यूएसए), डॉ विनोद भूटानी (यूएसए), डॉ राजेश शर्मा (यूएई), डॉ एरिन रॉस (यूएसए) शामिल है।

आयोजन सचिव डॉ जयकृष्ण मित्तल ने आगे कहा कि नवजात शिशु देखभाल के क्षेत्र में काम करने वाले प्रतिनिधियों को इस क्षेत्र में किए गए विभिन्न शोधों और नवाचारों से अत्यधिक लाभ होगा और उन्हें इस क्षेत्र के अग्रदूतों के साथ बातचीत करने का अवसर मिलेगा।

डॉ. मनीष मित्तल संयुक्त सचिव ने कहा कि यह कार्यक्रम तीन दिवसीय कार्यक्रम है जहां विभिन्न निजी और सरकारी विभागों में विभिन्न कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा। 24, 25 और 26 मार्च को विषय के विभिन्न पहलुओं पर अस्पताल मुख्य सम्मेलन के लिए बीएम बिड़ला सभागार में इकट्ठा होगा जहां विभिन्न प्रतिष्ठित संकाय अपने अनुभव और शोध साझा करेंगे।

आयोजन सचिव डॉ. रमेश चौधरी ने कहा कि आयोजन में नर्सों के प्रशिक्षण के लिए भी कार्यशाला होगी ताकि पुनर्जीवन, स्तनपान और कंगारू मदर केयर सहित नवजात शिशु की देखभाल के लिए बुनियादी कौशल प्रदान किया जा सके।

यह कार्यक्रम क्षेत्र के युवा डॉक्टरों को अपने शोध विषयों को प्रस्तुत करने का अवसर देगा और सर्वश्रेष्ठ लोगों को न्यायाधीशों द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा।

जे.के.लोन अस्पताल के अधीक्षक डॉ.आर.के.गुप्ता का निधन

जयपुर। राजधानी के जेके लोन हॉस्पिटल के अधीक्षक और जाने-माने शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. आर.के. गुप्ता का शनिवार अल सुबह एसएमएस अस्पताल में निधन हो गया। वे ब्रेन स्ट्रोक आने के बाद पिछले डेढ़ महीने से एसएमएस अस्पताल के न्यूरो सर्जरी आईसीयू में भर्ती थे। डॉक्टर गुप्ता के निधन पर हेल्थ सेक्टर से जुड़े लोगों ने शोक व्यक्त किया है।

एसएमएस अस्पताल के अधीक्षक डॉ. अचल शर्मा ने बताया कि डॉ. आर के गुप्ता को 2 फरवरी की रात को ब्रेन स्ट्रोक आया था। इसके बाद से ही उनका इलाज एसएमएस अस्पताल के न्यूरोक सर्जरी आईसीयू में चल रहा था। न्यूरो सर्जरी विभाग के डॉक्टरों की टीम ने उनके दो ऑपरेशन भी किए थे। इसके बाद वे कोमा में चले गए थे। लंबे समय तक इलाज के बाद भी डॉ. गुप्ता को होश नहीं आया था। पिछले कुछ दिनों पहले ही उनको न्यूरोसर्जरी आईसीयू से जनरल मेडिकल आईसीयू में शिफ्ट किया था। लंबे इलाज और डॉक्टरों के तमाम प्रयासों के बाद भी उन्हें होश नहीं आया। डॉक्टरों के मुताबिक शनिवार सुबह साढ़े चार बजे उनका निधन हो गया।

गौरतलब है कि डॉ. गुप्ता को राज्य सरकार ने पिछले साल 30 सितम्बर को जयपुर के जेके लॉन हॉस्पिटल का अधीक्षक बनाया था। डॉ. गुप्ता सीनियर शिशु रोग विशेषज्ञ होने के साथ ही बच्चों की पेट संबंधि बीमारियों का भी ट्रीटमेंट करते थे। इसके अलावा वे एसएमएस मेडिकल कॉलेज में पीडियाट्रिक डिपार्टमेंट में सीनियर प्रोफेसर भी थे।

ब्राह्मण महापंचायत आज विद्याधर नगर स्टेडियम में

जयपुर, (का.सं.)। विप्रसेना के बैनर तले जयपुर के विद्याधर नगर स्टेडियम में 19 मार्च को प्रात: 11 बजे से होने वाली ब्राह्मण समाज की महापंचायत की व्यवस्थाओं को लेकर आज शनिवार को विप्र सेना के पदाधिकारी और आयोजन की व्यवस्था देख रहे कार्यकर्ताओं मीटिंग हुई। विद्याधर नगर स्टेडियम में हुई मीटिंग के दौरान पदाधिकारियों ने कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया और कार्यकर्ताओं को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर विप्र सेना प्रमुख सुनील तिवाड़ी ने बताया कि ब्राह्मण महापंचायत में देश के लगभग आधा दर्जन राज्यों के साथ ही प्रदेश के कोने-कोने से साढ़े चार लाख से अधिक समाज के बंधु पहुंचेंगे। महापंचायत के दौरान समाज के बंधुओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए भोजन, पानी, चिकित्सा और सुरक्षा सहित विभिन्न व्यवस्थाऐं की गई है, इन्ही व्यवस्थाओं का आज जायजा लिया गया। उन्होंने बताया कि महापंचायत की शुरूआत देवी-देवता पूजन एवं यज्ञ से होगी, इसके बाद राष्ट्रीय गीत, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, दीप प्रज्जवलन, वेद विद्यार्थियों द्वारा सरस्वती वाचन, संत महात्माओं का सम्मान, 51 विद्वानों द्वारा मंत्रोच्चार, ड्रान से पुष्प वर्षा, विप्र सेना महिला प्रकोष्ठ की 51 महिलाओं द्वारा संत महात्माओं की आरती, स्मारक डाक टिकिट का विमोचन होगा।

वकीलों ने की प्रमुख विधि सचिव से वार्ता

- प्रोटेक्शन बिल में संशोधन के लिये वकील मिले, विधि सचिव ने वकीलों को संशोधन करवाये जाने का आश्वासन दिया

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान एडवोकेट प्रोटेक्शन बिल-2023 में संशोधन के लिए शनिवार को वकीलों की संघर्ष समिति के पांचों मुख्य संयोजकों कमल किशोर शर्मा, रणजीत जोशी, महेन्द्र शांडिल्य, रवि भंसाली व विवेक शर्मा ने प्रमुख विधि सचिव ज्ञान प्रकाश गुप्ता से मिलकर वार्ता की। इस दौरान बार कौंसिल ऑफ राजस्थान के चेयरमैन घनश्याम सिंह राठौड़ और अतिरिक्त महाधिवक्ता डॉ. विभूति भूषण शर्मा भी शामिल हुए। वकीलों के प्रतिनिधि दल ने प्रमुख विधि सचिव से कहा कि एडवोकेट प्रोटेक्शन बिल में वकीलों के पक्ष में संशोधन कराया जाए। इस पर विधि सचिव ने वकीलों को संशोधन करवाए जाने का आश्वासन दिया। दरअसल वकील राज्य सरकार की ओर से 15 मार्च को विधानसभा में पेश किए एडवोकेट प्रोटेक्शन बिल में प्रावधान किया गया है कि वकील के खिलाफ अदालत परिसर में अपराध होने पर ही उसे इस कानून का लाभ मिलेगा। वहीं धारा-9 के तहत उनके खिलाफ क्लाइंट की ओर से मुकदमा दायर करने के प्रावधान में भी वकील संशोधन चाहते हैं। वहीं अधिवक्ता के खिलाफ अपराध होने पर दोषी को मिलने वाली सजा और जुर्माने को भी वकील बढ़वाना चाहते हैं। गौरतलब है कि गत 18 फरवरी को जोधपुर में एक वकील की दिनदहाड़े हुई हत्या के बाद प्रदेशभर के वकील 20 फरवरी से न्यायिक बहिष्कार पर हैं। वकीलों की मांग है कि एडवोकेट प्रोटेक्शन बिल को विधानसभा से पारित कर कानून का रूप दिया जाए। गत दिनों विधि मंत्री शांति धारीवाल की अध्यक्षता में वकीलों की सरकार से वार्ता हुई थी। जिसमें तय किया गया था कि 15 मार्च को बिल सदन में रखकर उसे 21 मार्च को पारित करवाया जाएगा। इसके बाद वकीलों ने बिल के कुछ प्रावधानों में संशोधन की मांग की है।

सार-समाचार

चांदी का सिंहासन लगाया

कपासन, (निसं)। मेवाड़ के प्रसिद्ध शनिधाम श्री शनि महाराज आली में शनिवार से चांदी के सिंहासन पर शनिदेव के दर्शन होंगे। श्री शनिदेव के 5 किलो 300 ग्राम चांदी से बना सिंहासन लगाया गया।प्रबंध कमेटी के सचिव कालू सिंह ने बताया कि कमेटी की ओर से श्री शनिदेव के लिए 5 किलो 300 ठााम चांदी से निर्मित सिहासन बनवा कर लगाया गया है। इसके निर्माण में पहले सागवान की लकड़ी की फ्रेम नक्काशी सहित तैयार की गई। इसके बाद इस पर 5 किलो 300 ठााम चांदी से इसका पूरा निर्माण किया गया। जिसमें उदयपुर के कारीगर राजेश सुथार ने सागवान से फ्रेम तैयार की।इसके बाद उदयपुर के कारीगर महेश और कमल चौहान ने इस पर चांदी का काम कर इसे तैयार किया। शुक्रवार शाम में इस सिंहासन की मंदिर में फिटिंग का कार्य किया गया। अब श्री शनिदेव के दर्शन इस चांदी से बने सिंहासन के साथ होंगे।से निर्मित सिहासन बनवा कर लगाया है

सर्व समाज की बैठक स्थगित

मंडफिया, (निसं)। अनगढ़ बावजी तीर्थ स्थल पर अवधेशानंद जी महाराज के चातुर्मास को लेकर मंगलवार को आयोजित होने वाली सर्व समाज की बैठक स्थगित कर आगामी बैठक शनिवार को आयोजित होगी। समिति के अध्यक्ष रतन लाल गाडरी ने बताया कि चातुर्मास की व्यवस्थाओं को लेकर सर्व समाज की बैठक 21 मार्च को आयोजित होने वाली थी लेकिन अमावस्या एवं नवरात्रि स्थापना के चलते यह बैठक स्थगित कर अब 25 मार्च शनिवार को आयोजित होगी।

वृद्धाश्रम का निरीक्षण किया

राजसमंद, (निसं)। सचिव,जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश) मनीष कुमार वैष्णव ने मोही गांव में वृद्धाश्रम का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान रजिस्टर में 12 वृद्धजन दर्ज पाये गये। जिनमें से 10 वृद्धजन उपस्थितपाए गए वहीं 2 वृद्धजनों का बाहर जाना बताया गया।

जानलेवा हमले के चार आरोपी गिरफ्तार, बाइक बरामद

डूंगरपुर, (निसं)। सदर थाना अंतर्गत छेला खेरवाडा फला अम्बेरा निवासी एक व्यक्ति ने रिपोर्ट दर्ज कराई की विगत 14 मार्च की रात्रि को उसकी नाबालिक बहन को तीन लेगों ने जबरन अपहरण कर उठा ले जाने के दौरान उसके साथ मारपीट कर गम्भीर चोटें पहुंचाने का प्रकरण दर्ज कराया था जिसका निस्तारण करते हुए सदर पुलिस ने मामले में चार आरोपियों व एक बाल अपचारी को डिटेन किया है।

प्राप्त जानकारी अनुसार छेला खेरवाडा अम्बेरा फला निवासी कालूराम पुत्र अमरा अहारी ने एक रिपोर्ट 15 मार्च को थाने में उपस्थित होकर दी जिसमें उसने बताया कि 14 मार्च को डूंगरपुर शहर में वह काम से आया था और घर पर उसकी पत्नी व बहन अकेली थी जिन्हें अकेला देखकर हरीश पुत्र कांतिलाल घोघरा निवासी मजोला व उसके अन्य तीन साथी आये व उस्की नाबालिक बहन को जबरन उठाकर ले गए। जिस पर उसने उनका पीछा किया उस दौरान उसके साथ काका देवीलाल भी थे आरोपियों ने काका के पीठ पर छुरी गोप दी और मारपीट कर बहन को लेकर भाग गए। प्रार्थी की रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर टीम गठित कर हरीश पुत्र कांतिलाल घोघरा तथा उसके साथी प्रवीण पुत्र कारीलाल बरंडा, पिंटू पुत्र हालिया मीणा व महेंद्र पुत्र कचरा बलात सभी निवासी मझोला को गिरफ्तार कर एक नाबालिक को भी डिटेन किया है।

पुलिस जानलेवा हमले के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया।

विद्यार्थियों का शैक्षिक भ्रमण

बांसवाड़ा, (निसं)। ब्राइट फ्यूचर सैकेंडरी स्कूल आनंदपुरी के विद्यार्थियों ने पुलिस थाना व अस्पताल में शैक्षिक भ्रमण किया।

थानाधिकारी देवीलाल मीणा ने कानून व यातायात नियमों की जानकारी दी। बीसीएमओ डॉ. देवेन्द्र डामोर ने बच्चों को मौसमी बीमारियों से बचाव की जानकारी दी।

नवक्रमोन्नत विद्यालय का लोकार्पण

भीम, (निसं)। कुकरखेड़ा ग्राम पंचायत अंतर्गत विधायक सुदर्शन सिंह रावत ने नव क्रमोन्नत राजकीय बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय खड़ी मंगरी का लोकार्पण किया।

विधायक रावत ने कहा कि लम्बे समय से अन्तराल के बाद गत 4 वर्षो में भीम देवगढ़ के प्रत्येक गाँव ढाणी में करोडो के विकास कार्य हुए। भाजपा कांठोस और राजनीतिक दलों की मानसिकता मै नहीं रखता। वह केवल चुनाव तक सीमित होनी चाहिए। आज करोडो के विकास कार्यो की लम्बी सूची के बाद भी आपकी मांगो की लम्बी सूची बताती है कि गत 15 वर्ष में आपके साथ धोखा हुआ। आप बताओ आखिर मेरे से पूर्व के विधायक ने 15 वर्षो में आपके लिए क्या किया। इस दौरान विधायक सुदर्शनसिंह रावत ने बार बार विपक्ष के स्थानीय जन प्रतिनिधियों का हवाला देते हुए सरकार की सामाजिक सुरक्षा की योजनाओं की उपलब्धिया बताई। रावत ने जीरो बिजली बिल 1 हजार न्यूनतम पेंशन पालनहार में वृद्धि चिरिंजिवी स्वास्थ्य एवं दुर्घटना बीमा 500 में घरेलु गैस सिलेण्डर गरीब परिवारों को राशन किट सहित आमजन एवं समाज की अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति को दिए राहत पैकेज आदि के बारे में बताया।

लांबा भाटडा में बिजली गिरने से किसान की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। बिछीवाडा थाना क्षेत्र के लांबा भाटडा में आकाशीय बिजली गिरने से एक किसान की मौत हो गई। किसान खेतों में काम कर रहा था। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शनिवार सुबह मृतक का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है

लांबा भाटडा निवासी थावरचंद मेणात ने रिपोर्ट दर्ज करवाई। रिपोर्ट में उसने बताया कि शक्रवार शाम के समय उसका भाई प्रकाशचंद्र मेणात खेतों में गेहूं की फसल को इकट्ठा कर रहा था। उसी समय तेज हवाओं और बादलों की गर्जना के साथ ही अचानक आकाशीय बिजली गिर गई। बिजली गिरने से उसका सीना गंभीर रूप से झुलस गया। इस पर खेतों में काम कर रहे दूसरे लोग दौडकर आए। घायल प्रकाशचंद्र को बिछीवाडा अस्पताल लेकर गए, जहां उसकी हालत गंभीर होने पर प्राथमिक इलाज के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया। इस पर उसे डूंगरपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर आए। डॉक्टर ने जांच के बाद प्रकाशचंद्र को मृत घोषित कर दिया।

कार्यालय भू-सम्पति अधिकारी
महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर (राज.)
क्रमांक- भू.स.अ./मप्रकृप्रौविवि/निविदा/2023/3130-39 दिनांक: 17.3.2023
ई-निविदा सूचना- 15 (2022-23)
माननीय कुलपति महोदय, म.प्र.कृ.प्रौ.वि.वि. उदयपुर की ओर से भू-सम्पति कार्यालय द्वारा निम्न कार्य लागत रू. 8.00 लाख (01 कार्य) हेतु मुहरबन्द निविदाएं आंमत्रित की जाती है। समस्त शर्ते एवं विस्तृत विवरण www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in व www.mpuat.ac.in पर देखा जा सकता है।
UBN:ATU2223WSOB00390 (अनिल खींची) भू-सम्पति अधिकारी

कार्यालय क्रय-विक्रय सहकारी समिति लि. रेलमगरा एवं नाथद्वारा
क्रमांक- SPL-01 दिनांक: 18.03.2023
संशोधित निविदा-सूचना
दिनांक 09.03.2023 के अंक में प्रकाशित क्रय-विक्रय सहकारी समिति लि. रेलमगरा एवं नाथद्वारा जिला-राजसमंद के लिए पोषाहार परिवहन व वितरण करने हेतु जारी निविदा में निविदा वर्ष 2022-23 के स्थान पर 2023-24 पढ़ा जावे।
कुलदीप सिंह- मैनेजर
क्रय-विक्रय सहकारी समिति लि.
रेलमगरा एवं नाथद्वारा

कार्यालय क्रय-विक्रय सहकारी समिति लि. कांकरोली, आमेट
क्रमांक- SPL-1 दिनांक: 18.03.2023
संशोधित निविदा-सूचना
दिनांक 09.03.2023 के अंक में प्रकाशित क्रय-विक्रय सहकारी समिति लि. कांकरोली, एवं आमेट जिला राजसमंद के लिए पोषाहार परिवहन व वितरण करने हेतु जारी निविदा में निविदा वर्ष 2022-23 के स्थान पर 2023-24 पढ़ा जावे।
मैनेजर
क्रय-विक्रय सहकारी समिति लि.
कांकरोली, आमेट

कार्यालय नगर परिषद प्रतापगढ़, जिला-प्रतापगढ़ (राज.)

क्रमांक:/नपप्र/भूमि/2023/2269-70 दिनांक: 17.03.23

लोक-सूचना

अधोहस्ताक्षर की जानकारी में यह लाया गया है कि 17 जून, 1999 से पूर्व/पश्चात की कालावधि से गैर-कृषिक प्रयोजनों के उपयोग किया जा रहा है/किया जाना है और इसलिए उक्त भूमि या उसके भाग में व्यक्तियों के अधिकार/हित राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क की उप-धारा (8) के अधीन पर्यवसित किये जाने के दायी हैं।

अतः उक्त भूमि में हित रखने वाले प्रत्येक व्यक्ति को इसके द्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 7 दिन के भीतर-भीतर कारण बतायें कि क्यों न उक्त भूमि पर उसके अधिकारों और हित को पर्यवसित कर दिया जाये और इसलिए क्यों न भूमि को राज्य सरकार में समस्त विल्लंगमों से मुक्त निहित किया जा सके। आवेदकों की सूची निम्नानुसार है :-

क्रसं	प्रार्थी/प्रार्थीयो का नाम	राजस्व ग्राम	आराजी नं.	भूखण्ड/रकबा	साईज	स्थान	पत्रावली संख्या
1	श्री जयकुमार/जम्बुकुमार जैन	प्रतापगढ	298 मीन	बी-01	800 वफी	परि विहार	547/21-22
2	श्री जयकुमार/जम्बुकुमार जैन	प्रतापगढ	298 मीन	बी-04	1000 वफी	परि विहार	544/21-22
3	श्री जयकुमार/जम्बुकुमार जैन	प्रतापगढ	298 मीन	बी-03	1000 वफी	परि विहार	548/21-22
4	श्री जयकुमार/जम्बुकुमार जैन	प्रतापगढ	298 मीन	ए-27	1350 वफी	परि विहार	545/21-22
5	श्री जयकुमार/जम्बुकुमार जैन	प्रतापगढ	298 मीन	ए-08	1000 वफी	परि विहार	543/21-22
6	श्री जयकुमार/जम्बुकुमार जैन	प्रतापगढ	298 मीन	बी-02	800 वफी	परि विहार	546/21-22
7	श्रीमती चन्द्रकान्ता/सेवन्तिलाल जैन	प्रतापगढ	297 मेंसे	एच-06	1000 वफी	परि विहार	535/21-22
8	श्रीमती चन्द्रकान्ता/सेवन्तिलाल जैन	प्रतापगढ	298 मेंसे	एच-01	1000 वफी	परि विहार	537/21-22
9	श्रीमती चन्द्रकान्ता/सेवन्तिलाल जैन	प्रतापगढ	298 मेंसे	एच-02	1000 वफी	परि विहार	534/21-22
10	श्रीमती चन्द्रकान्ता/सेवन्तिलाल जैन	प्रतापगढ	297 मेंसे	एच-05	1000 वफी	परि विहार	536/21-22
11	श्रीमती चन्द्रकान्ता/सेवन्तिलाल जैन	प्रतापगढ	298/2607	सी-17,19,20	3000 वफी	परि विहार	929/21-22
12	श्री सेवन्तिलाल/मांगीलाल जैन	प्रतापगढ	298 मेंसे	एच-03	1000 वफी	परि विहार	538/21-22
13	श्री सेवन्तिलाल/मांगीलाल जैन	प्रतापगढ	298 मेंसे	एच-04	1000 वफी	परि विहार	532/21-22
14	श्री सेवन्तिलाल/मांगीलाल जैन	प्रतापगढ	297 मेंसे	एच-11	1040 वफी	परि विहार	533/21-22
15	श्री सेवन्तिलाल/मांगीलाल जैन	प्रतापगढ	297 मेंसे	एच-12	1360 वफी	परि विहार	531/21-22
16	श्रीमती सुमन/महावीरकुमार जैन	प्रतापगढ	297 मेंसे	एच-08	1000 वफी	परि विहार	540/21-22
17	श्रीमती सुमन/महावीरकुमार जैन	प्रतापगढ	297 मेंसे	एच-09	1000 वफी	परि विहार	539/21-22
18	श्रीमती सुमन/महावीरकुमार जैन	प्रतापगढ	297 मेंसे	एच-10	1000 वफी	परि विहार	542/21-22
19	श्रीमती सुमन/महावीरकुमार जैन	प्रतापगढ	297 मेंसे	एच-07	1000 वफी	परि विहार	541/21-22
20	श्री आशीष/श्रीपाल चौरडिया	प्रतापगढ	298 मेंसे	बी-08	1000 वफी	परि विहार	549/21-22
21	श्री आशीष/श्रीपाल चौरडिया	प्रतापगढ	298 मेंसे	बी-06	1000 वफी	परि विहार	552/21-22
22	श्री आशीष/श्रीपाल चौरडिया	प्रतापगढ	298 मेंसे	बी-05	1000 वफी	परि विहार	550/21-22
23	श्री आशीष/श्रीपाल चौरडिया	प्रतापगढ	298 मेंसे	बी-07	1000 वफी	परि विहार	551/21-22
24	श्री महावीरकुमार/सेवन्तिलाल जैन	प्रतापगढ	298 मेंसे	जी-04	1000 वफी	परि विहार	553/21-22
25	श्री सुरेन्द्रकुमार/सेवन्तिलाल जैन	रुघनाथपुरा	616/183 मेंसे	-	4868.75 वफी.	पूजा विहार के पास	930/22-23
26	श्री रामनारायण/देवीलाल कुमावत	प्रतापगढ	306 मेंसे	डी-22	1000 वफी.	परि विहार	692/22-23
27	श्री भंवरसिंह/भवानीसिंह राजपुत	प्रतापगढ	1617/1900/1	-	2400 वफी.	मन्दसौर रोड	515/22-23
28	श्री पप्पुराम/चौखचन्द मीणा	बगवास	1426/160	-	15051.5 वफी.	बगवास	534/22-23
29	श्रीमती मन्जु/अशोक मीणा	हाट सालमगढ़	182/314	-	11299.5 वफी.	हाट सालमगढ	533/22-23
30	श्री संयम/निलेश जैन	प्रतापगढ	839	94	1000 वफी	प्रगति नगर	916/22-23
31	श्री मुंताजअहमद/बाबु खान	प्रतापगढ	332	21	800 वफी	ल्क्ष्मी कांलोनी	928/22-23
32	श्रीमती सिताराबानो/अब्दुल हनीफ व श्रीमती मेहरुनिशा/एजाज हुसैन	मकनपुरा	88/107	5 व 27	1600 वफी	पारस कांलोनी	931/22-23
33	श्रीमती क्रितीकुंवर/शिवराजसिंह	रुघनाथपुरा	617/614	बी-08	1200 वफी	खुशी विहार II	915/22-23
34	श्री गोपाललाल/माधवलाल पालीवाल	मकनपुरा	88/107	02	800 वफी	पारस कांलोनी	934/22-23
35	श्री गोपाललाल/माधवलाल पालीवाल	मकनपुरा	88/107	30	800 वफी	पारस कांलोनी	933/22-23
36	श्रीमती अनिता/गोपाललाल पालीवाल	प्रतापतढ	12 मीन	सी-17, 18	2152.78 वफी	मंगलम विहार	932/22-23
37	श्रीमती अनिता/मनोहरलाल जैन	प्रतापगढ	298	ए-16	1000 वफी	परि विहार	936/22-23
38	श्रीमती सोहनबाई/माणकलाल जैन	प्रतापगढ	298	ए-22	1000 वफी	परि विहार	935/22-23
40	श्री होजेफा/फजल अब्बास	प्रतापगढ	368, 368/2407	09 व 09 के पिछे	900 वफी	राजेन्द्र नगर	937/22-23
41	श्री हेदरअली/फजल अब्बास	प्रतापगढ	368, 368/2407	09 मेंसे 09 का पिछे वाला भाग	900 वफी	राजेन्द्र नगर	938/22-23
42	श्रीमती ललीताकुंवर/डुंगरसिंह	रुघनाथपुरा	16/485	04	1000 वफी	न्यु चारभुजा कांलोनी	939/22-23
43	श्री कैलाशचन्द्र/दयाराम शर्मा	रुघनाथपुरा	32/377	एफ-04	2500 वफी	आशापुरी कांलोनी	940/22-23
44	श्री सुरेन्द्रसिंह,रणजीतसिंह/विक्रमसिंह	रुघनाथपुरा	32/377	बी-01, 02	2045 वफी	आशापुरी कांलोनी	941/22-23
45	श्री पप्पुराम/चौखचन्द मीणा	बगवास	1436/195	0.12 हे.	12900 वफी.	बगवास	962/22-23
46	श्री संतोषकुमार/लीलाशंकर पुरोहित	मकनपुरा	298/1	सी-31	1000 वफी	परि विहार	968/22-23
47	श्री विक्रमसिह/रामलाल आंजना एवं तेजकुंवर/विक्रमसिंह आंजना	प्रतापगढ	356/2665, 356/2685	ब्लाक-ए 01 से 24	17350 वफी	न्यु तिरुपति नगर	967/22-23
48	श्री विक्रमसिह/रामलाल आंजना एवं तेजकुंवर/विक्रमसिंह आंजना	प्रतापगढ	356/2665, 356/2685	ब्लाक-बी	14180 वफी	न्यु तिरुपति नगर	966/22-23
49	श्री विक्रमसिह/रामलाल आंजना एवं तेजकुंवर/विक्रमसिंह आंजना	प्रतापगढ	356/2665, 356/2685	ब्लाक-डी	10800 वफी	न्यु तिरुपति नगर	964/22-23
50	श्री विक्रमसिह/रामलाल आंजना एवं तेजकुंवर/विक्रमसिंह आंजना	प्रतापगढ	356/2665, 356/2685	ब्लाक-सी	10540 वफी	न्यु तिरुपति नगर	965/22-23
51	श्री विक्रमसिह/रामलाल आंजना एवं तेजकुंवर/विक्रमसिंह आंजना	प्रतापगढ	356/2665, 356/2685	ब्लाक-ई व एफ	15800 वफी	न्यु तिरुपति नगर	963/22-23

इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।

उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार प्रकरण में नियमानुसार कार्यवाही अमल में लायी जावेगी।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक को जारी की गयी।

आयुक्त
नगर परिषद प्रतापगढ़

'कोई गुरुर करे कि उससे बड़ा कोई नहीं है, समझ लो अंत आ रहा है'

जयपुर, 18 मार्च (का.प्र.)। राजस्थान में कांग्रेस की गुटबाजी पर जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने सोच व्यापक रखने का मंत्र देते हुए कहा कि देश को आज प्यार और आपसी भाईचारे से रहने की जरूरत है। अब्दुल्ला शनिवार को इंडियन मुस्लिम फॉर सिविल राइट्स के राष्ट्रीय अधिवेशन में शामिल होने के लिए सलमान खुर्शीद के साथ जयपुर में आए थे।

फारूक अब्दुल्ला ने कांग्रेस सहित अन्य दलों को अपनी महत्वाकांक्षाओं को दरकिनार कर एकजुट होकर काम करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि आज का वक्त किसी के एमपी या विधायक बनने की चाह रखने का नहीं है। आज की जरूरत संगठित होकर काम करने की है। फारूक अब्दुल्ला के इस बयान को पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बीच चल रही अदावत से जोड़ कर देखा जा रहा है।

उन्होंने ईमानदार बनने की नसीहत देते हुए कहा कि "पहले तो हम अपना ईमान मजबूत कर लें, अपने आप को मजबूत करें, किसी से डरने की जरूरत नहीं है। इज्जत देने वाला वो है और जिल्लत देने वाला भी वही है। मौत को कोई रोक नहीं सकता फिर चाहें कोई

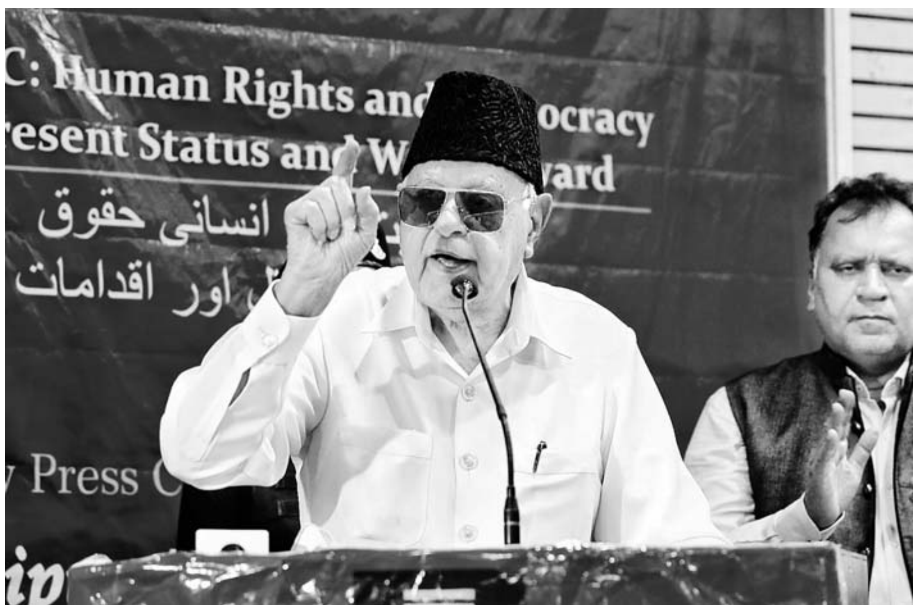

नैशनल कॉन्फ्रैंस के प्रमुख फारुक अब्दुल्ला ने जयपुर में मुस्लिम समाज के एक कार्यक्रम में गहलोत और पायलट के बीच चल रही अदावत की निंदा की और कहा कि, कांग्रेस को आगामी विधानसभा चुनाव मिलकर लड़ना चाहिये। उन्होंने कहा कि, यहां के हालात तो सब देख ही रहे हैं कोई वज़ीर- ए-आजम तो कोई वज़ीर-ए-आला बनना चाहता है।

कितना बड़ा बादशाह हो इसलिए आपस में प्यार का व्यवहार रखना चाहिए।" फारूक अब्दुल्ला ने राजस्थान कांग्रेस की चर्चा कर बिना किसी का नाम लिए कहा कि "यहां क्या हो रहा है सब देख रहे हैं। किस तरह के हालत बने हुए है। कोई वजीर ए आला तो कोई वजीर ए-आजम बनना चाहता है लेकिन पहले अपने आप को कुर्बान करने की सोच रखनी होगी।" हालांकि इसके बाद फारूक अब्दुल्ला ने यह भी कहा कि "हम इंसान हैं, और इंसान के अपने ख्वाब होते हैं। राजस्थान में दो की जंग है। यह भी सोचने वाली बात है कि अगर कोई इस गुरुर में आ जाए कि उससे बड़ा कोई नहीं है तब समझ लो कि आपका अंत आ रहा है। इंसान जब में घमंड आ जाता है तो वह डूब जाता है।"

■ राजस्थान में कांग्रेस की जंग पर बोले फारूक अब्दुल्ला, यहां क्या हो रहा है सब देख रहे हैं, किस तरह के हालत हैं, कोई वज़ीर ए आला तो कोई वज़ीर ए आज़म बनना चाहता है।

मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि "जब कोई किसी को खराब बताता है तो ये भी समझ लें कि एक उंगली दूसरी तरफ है तो तीन स्वयं की तरफ भी है। वो इशारा कर कहती है कि हम क्या हैं, इस पर भी सोचने की जरूरत है।" अब्दुल्ला ने कहा कि मुल्क की हालत बहुत ख़राब है, इसे ठीक करने की जरूरत है। आज प्यार मोहब्बत से रहने की जरूरत है।

पंजाब में खालिस्तान समर्थक संगठन का प्रमुख अमृतपाल सिंह गिरफ्तार

अमृतपाल सिंह वारिस पंजाब दे का प्रमुख है तथा वह खालिस्तानी आतंकी भिण्डरांवाले के लिए काम करता है

चंडीगढ़, 18 मार्च। वारिस पंजाब दे चीफ अमृतपाल सिंह को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया है। उनके समर्थकों ने पुलिस पर कार्रवाई का आरोप लगाया है। इससे पहले पंजाब पुलिस ने अमृतपाल सिंह के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए उनके छह सहयोगियों को हिरासत में लिया था। मोगा जिले में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया। वारिस पंजाब दे प्रमुख के समर्थकों ने मोगा जिले में पुलिस द्वारा उनके काफिले का पीछा करने और जालंधर के पास शाहकोट की ओर तेज रफ्तार वाहन का एक वीडियो शेयर किया था। पंजाब गृह मामलों और न्याय विभाग ने बताया कि पंजाब के क्षेत्रीय अधिकार क्षेत्र में सभी मोबाइल इंटरनेट सेवाएं, सभी एस.एम.एस. सेवाएं (बैंकिंग और मोबाइल रिचार्ज को छोड़कर) और वॉयस कॉल को छोड़कर मोबाइल नेटवर्क पर दी जाने वाली सभी डोंगल सेवाएं 18 मार्च से 19 मार्च तक निलंबित रहेंगी।

■ ज्ञातव्य है कि, पिछले दिनों पंजाब में अमृतपाल सिंह के समर्थकों ने भारी बवाल खड़ा किया था, तथा उसके हजारों समर्थक अजनाला जिले के एक पुलिस थाने पर लाठी व सरिये व अन्य हथियार लेकर पहुँच गये थे।

सूत्रों के मुताबिक गिरफ्तारी से पहले खालिस्तान समर्थक सिंह बठिंडा जा रहा था, तभी पुलिस ने जालंधर के मेहताबपुर गांव के पास उसे रोकने की कोशिश की। उनके छह समर्थकों को कथित तौर पर मेहताबपुर से हिरासत में लिया गया था। सूत्रों ने कहा कि उनके समर्थकों के घरों पर भी छापे मारे गए हैं। हालांकि सिंह के करीबी सहयोगियों के सभी फोन स्विच ऑफ थे। एक वीडियो (अपुष्ट) में अमृतपाल सिंह को एक तेज रफ्तार कार में बैठ हुए दिखाया गया था।

अमृतपाल सिंह के खिलाफ अजनाला थाना अमृतसर में अपहरण का एक मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने यह खुलासा नहीं किया है कि 24 फरवरी को उनके समर्थकों द्वारा अजनाला पुलिस स्टेशन पर कथित तौर पर धावा बोलने के बाद उनके खिलाफ कोई मामला दर्ज किया गया था या नहीं। उनके एक सहयोगी की गिरफ्तारी का विरोध करते हुए उनके समर्थक पुलिस से भिड़ गए थे और पुलिस स्टेशन में घुस गए थे।

पंजाब सरकार के लिए एक अमृतपाल सिंह एक नई चुनौती के रूप में सामने आया है। 30 साल का नौजवान अमृतपाल सिंह खुलेआम खालिस्तान का समर्थन कर रहा है और युवाओं को तबाह कर रहे ड्रग्स के खतरे को जड़ से खत्म करने में राज्य की असफलता पर भी जोर दे रहा है।

अमृतपाल सिंह छह महीने पहले दुबई से लौटा है। सिंह उस वक्त चर्चा में आया जब उसने एक भीड़ द्वारा अजनाला पुलिस थाने पर कब्जा करने की कोशिश की और प्रशासन को धमकाया। इस भीड़ का नेतृत्व अमृतपाल सिंह ही कर रहा था। इस मामले ने इस ओर भी इशारा कर दिया था कि पंजाब की आप सरकार संवेदनशील मुद्दों पर अभी अनुवभहीन है। हालांकि सी.एम. भगवंत मान ने अजनाला की घटना को बहुत ज्यादा तूल न दिए जाने की बात कही थी। हालांकि पंजाब सरकार के अधिकारियों को पता होना चाहिए कि पंजाब को एक ऐसे प्रशासन की आवश्यकता है।

'आलोचना करके कुछ लोग काला टीका लगाने का शुभ काम कर रहे हैं'

प्र.मंत्री मोदी ने कहा, भारत का गौरव दुनिया में बहुत व्यापक और विशाल पैमाने पर बढ़ा है यह बात कुछ लोगों को चुभ रही है, इसलिए वे इस तरह के हमले कर रहे हैं

नई दिल्ली, 18 मार्च। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि सरकार की सुशासन में संवेदनशीलता से देश तेजी से विकास के पथ पर बढ़ रहा है और इससे लोगों का सरकार पर भरोसा बढ़ा है तथा साथ ही लोकतंत्र को भी मजबूती मिली है।

मोदी ने शनिवार शाम एक निजी टेलीविजन चैनल इंडिया टुडे के कार्यक्रम में कहा कि देश को आगे बढ़ना है तो उसमें हमेशा गतिशीलता होनी चाहिए, साहसिक निर्णय लेने की शक्ति होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के कारण ही भारत प्रगति के पथ पर अग्रसर है। देश में लोकतंत्र के कमजोर होने के विपक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि आज भारत विश्व स्तर पर जो कुछ भी हासिल कर रहा है उसके पीछे देश के लोकतंत्र

■ मोदी ने शनिवार शाम निजी टेलिविज़न चैनल, इंडिया टुडे के कार्यक्रम में कहा कि, देश को आगे बढ़ना है तो उसमें हमेशा गतिशीलता होनी चाहिए, साहसिक निर्णय लेने की शक्ति होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि, लोकतंत्र की मजबूती के कारण ही भारत प्रगति के पथ पर अग्रसर है।

■ देश में लोकतंत्र कमजोर होने के विपक्ष के आरोपों पर मोदी ने कहा, देश में और घर में जब भी अच्छे काम होते हैं तो हम लोग काला टीका लगाते हैं, विपक्ष की यह टिप्पणियां वही काले टीका का काम कर रही हैं।

और संस्थानों की ताकत है। उन्होंने कहा कि यह ताकत कुछ लोगों को चुभ रही है इसलिए वह इस तरह के हमले कर रहे हैं लेकिन देश इस तरह के हमलों के बावजूद संकल्प के साथ विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ेगा। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जब अच्छे काम होते हैं तो काला टीका भी लगाया जाता है। उन्होंने कहा कि देश में जो भी अच्छे काम हो रहे हैं उसकी आलोचना कर कुछ लोग काला टीका लगाने का शुभ काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार संवेदनशीलता के साथ तेजी से निर्णायक फैसले ले रही है जिससे लोगों का भरोसा बढ़ा है और इससे इंडिया मूवमेंट को मजबूत तरीके से आगे बढ़ाने में मदद मिल रही है।

उन्होंने कहा कि यह कालखंड देश के लिए अभूतपूर्व है क्योंकि वैश्विक संकट के बीच जहां अनेक देशों को मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है वहां भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है। उन्होंने कहा कि वह संतुष्ट हैं की चुनौती भरे हालातों में भी देश आगे बढ़ रहा है और उसे दुनिया का विश्वास हासिल है। मोदी ने कहा कि उनकी सरकार दृढ़ता के साथ पूरे देश में हर वर्ग और हर क्षेत्र का विकास कर रही है पहले देश से घोटाले की खबरें आती थी लेकिन अब विकास कार्यों की खबरें आती हैं और यही सुशासन का प्रतीक है।

सुजानगढ़, भीनमाल, तिजारा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सुजानगढ़ में हुआ है। जहां कई कांग्रेस पार्षदों और नेताओं ने पार्टी से इस्तीफे दे दिए हैं। सुजानगढ़ को जिला नहीं बनाने पर क्षेत्र के लोग आंदोलित हो गए हैं। जिला नहीं बनने पर इसलिए शनिवार को सुजानगढ़ पूर्णतया बंद रहा। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, विधायक मनोज मेघवाल के खिलाफ सुजानगढ़ के लोगों ने नारेबाजी करते हुए एन.एच. 58 जाम कर दिया। मेगा हाइवे के जाम होने से वाहनों की लंबी कतार लग गई। जाम के कारण बसों व छोटी गाड़ियों में बैठे लोगों को भारी परेशानी हुई।

सुजानगढ़ विधायक मनोज मेघवाल के आवास के बाहर भी विधायक मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया, जिसके बाद सीआई मनोज मुंड के नेतृत्व में विधायक आवास के बाहर पुलिस बल तैनात कर दिया गया।

एन.एच. 58 पर लोगों को सम्बोधित करते हुए पूर्व सभापति बाबूलाल कुलदीप ने कहा कि विधायक का नेतृत्व कमजोर होने के कारण सुजानगढ़ जिला नहीं बन पाया। उन्होंनें कहा कि जो क्षेत्र जिला बनने के लायक नहीं थे, वहां के विधायकों को खुश करने के लिये मुख्यमंत्री ने उन जगहों को जिला बना दिया। जो क्षेत्र जिला बनने के लायक नहीं थे वहां के विधायकों ने मु.मंत्री की खुशामद कर-करके अपना काम निकलवा लिया। कुलदीप ने विधायक मनोज मेघवाल से इस्तीफे की मांग की। वहीं जालौर जिले के भीनमाल को जिला नहीं बनाए जाने को लेकर भी लोग सड़कों पर उतरे और सरकार का जबरदस्त विरोध किया।

इधर सरकार को समर्थन दे रहे विधायक संदीप यादव ने तिजारा को जिला नहीं बनाए जाने का विरोध किया और राजनैतिक नियुक्ति से शुक्रवार रात को ही इस्तीफा दे दिया था। ऐसी ही आवाजें जयपुर जिले के शाहपुरा से उठ रही हैं।

इसी के साथ डीग और कुम्हेर को मिलाकर जिला बनाए जाने की बात भी लोगों के गले नहीं उतर रही है क्योंकि डीग की दूरी जहां भरतपुर मुख्यालय से 37 किलोमीटर है वही कुम्हेर की दूरी मात्र 22 किलोमीटर है। जबकि कामां की दूरी भरतपुर से 63 किलोमीटर है और कामां को जिला नहीं बनाए जाने के बाद वहां की विधायक और मंत्री जाहिदा खान के खिलाफ लोग सड़कों पर उतर आए और उन्होंने विधायक से तुरंत इस्तीफा देने की मांग कर दी है। ऐसे ही विरोध के स्वर और भी कई जगह से देखने को मिल रहे हैं।

इस बीच कहा यह जा रहा है कि जिलों और संभाग की घोषणा तो कर दी गई, लेकिन जब जिलों में तहसीलों और विधानसभा क्षेत्रों का बंटवारा होगा, तो विरोध के स्वर और तेज होंगे। इसका कारण यह है कि जिस तरह से छोटे जिले बने हैं, उसमें कई तहसीलों और विधानसभाओं के टुकड़े होंगे। ऐसे में विधायकों को स्थानीय स्तर पर भारी विरोध का सामना करना पड़ेगा जो कि राजनीतिक रूप से कांग्रेस के लिए यह कदम नुकसानदायक सौदा साबित हो सकता है।

विरोध के स्वरों के बीच अब सवाल यह भी उठाया जा रहा है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 3 संभाग मुख्यालय 19 जिले तो घोषित कर दिए, लेकिन इनके लिए सिर्फ दो हजार करोड़ का प्रावधान किया है, जबकि इतनी सी राशि में 3 संभाग मुख्यालय और 19 जिलों का गठन संभव नहीं है। कई प्रशासनिक अधिकारियों ने भी कहा है कि जिले घोषित किए जाने से विकास तो होता है, लेकिन वित्तीय प्रबंध करना बहुत मुश्किल काम है। इन प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि जिस तरह से जिलों की घोषणा एक साथ कर दी गई है। चुनावी वर्ष में सिर्फ 6 महीने के दौरान इनका गठन कर पाना आसान काम नहीं होगा।

महिला ने चार...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जब पीड़िता को होश आया तो वह एक गाड़ी में थी। शोर-शराबा करने लगी तो अपहरणकर्ताओं के साथ ओमप्रकाश ने उसके साथ मारपीट की और धमकी दी कि शोर मचाया तो मार देंगे। उसके बाद उसे जैतसर ले गए जहां पर आरोपी रामदयाल निवासी एक एमएसडी ने उसके साथ दुष्कर्म किया। इस दौरान जय सिंह भी उनके साथ था।

पीड़िता ने जैसे तैसे अपने पति को फोन किया तो अगले दिन ही उसका पति आकर वहां से ले गया। पीड़िता ने थाने में आकर अपनी आपबीती बताई और चार लोगों के खिलाफ अपहरण कर बलात्कार करने का मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

इन्टरनैशनल क्रिमिनल कोर्ट ने पुतिन के खिलाफ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विशेषज्ञ कहते हैं कि रूस के राष्ट्रपति को अपने देश में असीमित शक्तियां प्राप्त हैं, इसलिए क्रेमलिन के उन्हें आई.सी.सी. को हैण्ड ओवर करने की कोई संभावना नहीं है। पुतिन जब तक रूस में है, उन्हें स्वयं के गिरफ्तार होने का कोई जोखिम नहीं है। हालांकि यदि वह रूस से बाहर जाते हैं तो उन्हें गिरफ्तार किया जा सकता है, अतः उन्हें अपनी यात्राओं को सीमित करना होगा। लेकिन यूक्रेन युद्ध के मद्देनज़र उन पर लगाए गए अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिबंधों के कारण ऐसी कोई संभावना नहीं है कि वह किसी ऐसे देश में जाएंगे, जहां उनके विरूद्ध मुकदमा शुरु कर दिया जाएगा।

मानवाधिकार संस्था के अनुसार आई.सी.सी. अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय से संबंधित सर्वाधिक गंभीर प्रकृति के अपराधों- जैसे कि नरसंहार, मानवता के विरूद्ध अपराध और युद्ध अपराधों को लेकर अभियोजन चलाता है।

पश्चिमी देशों ने जहां पुतिन के विरूद्ध गिरफ्तारी वॉरन्ट का स्वागत किया है, वहीं अमेरिका की प्रतिक्रिया इस मामले में उम्मीद से कम रही है। अमेरिका ने यह टिप्पणी करते हुए कहा कि वह आई.सी.सी. का सदस्य नहीं है, कहा है कि वॉरन्ट न्यायोचित है और इसकी जरूरत भी है। ब्रिटेन ने इस निर्णय का स्वागत किया और यूरोपीयन यूनियन ने कहा कि यह तो केवल शुरुआत है।

आई.सी.सी. ने कहा कि रूस की फौजों से पीड़ित हुए कई लोगों के लिए यह दिन काफी महत्वपूर्ण है। तथापि क्रेमलिन ने वॉरन्ट को बकवास बताकर खारिज कर दिया है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दमित्री पेस्कोव ने कहा कि "कई देशों की भांति रूस भी इस कोर्ट के क्षेत्राधिकार को मान्यता नहीं देता है और कानूनी दृष्टिकोण से इस कोर्ट के निर्णय व्यर्थ हैं।" रूस के पूर्व राष्ट्रपति दमित्री मेदवेदेव ने वॉरन्ट्स की तुलना टॉयलट पेपर्स से की, जबकि विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने कहा कि रूस के लिए इसके कोई मायने नहीं हैं।

आई.सी.सी. अभियोजनकर्ता करीम खान के अनुसार पुतिन यदि कोर्ट के 120 से अधिक सदस्य देशों में से किसी भी एक में कदम रखते हैं, तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि गिरफ्तारी वॉरन्ट्स का आधार फोरैन्सिक साक्ष्य, सूक्ष्म जांच और दो व्यक्तियों द्वारा कही गई बाते हैं।

खान ने कहा कि ऐसे कई उदाहरण हैं, जिसमें लोगों ने यह माना कि वे कानून से ऊपर हैं। उन्होंने पूर्व यूगोस्लाविया के कई युद्ध अपराधियों और लाइबेरिया के पूर्व राष्ट्रपति टेलर का हवाला देते हुए कहा कि "(स्लोनोदान) मिलेसिविक या चार्ल्स टेलर या (राडोवान) कराजिक्र अथवा (रैटको) मादिक को देखिए।"

चीन के नेता शी जिनपिंग की मॉस्को यात्रा और कीव की फौजों के लिए और लड़ाकू विमान भेजने सहित रूस के यूक्रेन युद्ध से पड़ने वाले संभावित महत्वपूर्ण प्रभाव को लेकर जब खबरें चल रही थीं तो उनके कुछ ही घंटों बाद कोर्ट का यह चौंकाने वाला नोटिस सामने आया। कीव के अनुसार 24 फरवरी 2022 को शुरु हुए आक्रमण के बाद से यूक्रेन के 16 हजार से अधिक बच्चों को जबरन रूस से निर्वासित कर दिया गया है। इनमें कईयों को कथित रूप से संस्थाओं और पालन गृहों में रखा गया है। खान ने कहा कि "बच्चों के विरूद्ध अपराधों को देखते हुए साक्ष्य प्रस्तुत की गई।

बच्चे हमारे समाज के सबसे नाजुक अंग है। आई.सी.सी. ने कहा कि जजों की राय में पुतिन पर आपराधिक उत्तरदायित्व के संदेह और वॉरन्ट जारी करने के लिए खान के आवेदन को मंजूर करने के "तर्कसंगत आधार" थे। खान ने 22 फरवरी को आवेदन प्रस्तुत किया था। आई.सी.सी. अध्यक्ष पियोत्र होफमान्स्की ने कहा कि वॉरन्ज्स पर क्रियान्विती करना अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग पर निर्भर करता है।

गहलोत की...

मिलने में गांधी परिवार की कोई रूचि नहीं रही है, इसलिये मुख्यमंत्री यह संकेत देने के लिये अत्यन्त उत्सुक थे कि नये कांग्रेस अध्यक्ष के साथ भी उन्हें परेशानी नहीं है। मुख्यमंत्री आज रात दिल्ली में ही रूके हुये हैं तथा कल अपरान्ह काल में ही जयपुर लौटेंगे।

कैला देवी के दर्शन करने आ रहे दो पदयात्रियों की चंबल नदी में डूबने से मौत

समाचार लिखे जाने तक 5 पदयात्री लापता

करौली, 18 मार्च (नि.स.)। कैला देवी के दर्शनों के लिए आ रहे मध्य प्रदेश के 17 महिला पुरुष पदयात्री चंबल नदी में डूब गये जिनमें से 10 को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। पानी से बाहर निकाले गए 2 जने मृत थे। समाचार लिखे जाने तक पांच पदयात्री लापता थे। मध्य प्रदेश और करौली जिला प्रशासन की रेस्क्यू टीम लापता लोगों की तलाश में लगी हुई हैं।

मध्य प्रदेश के सिपरी जिले के चिला बाद गांव के सुनील पुत्र सेवक कुशवाह, दीपक पुत्र देवकीनंदन, दीपक पुत्र अमर सिंह, जानकी लाल, संतरा देवी पत्नी सेवक, रश्मि देवी पत्नी सुनील कुमार, रुकमणी पत्नी दीपक कुमार, अलोपा देवी पत्नी देवकीनंदन, संपत देवी पत्नी राकेश, रामश्री देवी पत्नी बच्चन लाल, कल्लो देवी पत्नी चौऊ, चौऊ पुत्र ठकरी, ब्रजमोहन पुत्र पप्पू, लव कुश पुत्र थान सिंह, धरम वीर पुत्र केरा, देवकीनंदन पुत्र हीरा, राकेश पुत्र मुरारी गत 3 दिन पूर्व गांव से कैला माता के लिए पदयात्रा पर निकले थे।

■ सत्रह पदयात्री मध्य प्रदेश से कैला देवी जी के दर्शन करने के लिए आ रहे थे।

पदयात्री शनिवार को मंडरायल क्षेत्र के रोधई गांव के पास बह रही चंबल नदी से राजस्थान की सीमा को पार करने के लिए एक दूसरे के हाथ पकड़ कर सुबह 9:00 बजे निकले। चंबल नदी के गहरे पानी में पहुंचते ही सभी लोग पानी में डूब गए और चीख-पुकार मच गई।

जैसे तैसे 10 पदयात्री जगडरपुरा घाट के किनारे तैर कर और कुछ रोधई गांव के लोगों के सहयोग से नदी से बाहर निकले, लेकिन 7 महिला व पुरुष पदयात्री गहरे पानी में डूब गए। लापता पद यात्रियों में से कल्लो देवी पत्नी चौऊ और देवकीनंदन पुत्र हीरालाल को मृत अवस्था में बाहर निकाला गया। रश्मि देवी, रुकमणी देवी, अलोपा देवी, ब्रजमोहन व एक बालक लव कुश लापता है, जिनकी तलाश की जा रही है।

भीलवाड़ा में इस...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सुबह इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। डॉ. चावला ने बताया कि जिले में करोना संक्रमण का खतरा बढ़ने लगा है। शरीर में हल्के से भी लक्षण नजर आने पर तुरंत डॉक्टर की सलाह लेने की आवश्यकता है।

सिंह की मौत से ना सिर्फ़ चिकित्सा जगत बल्कि पूरे शहरवासियों में शोक की लहर छा गई है। एम.जी. हॉस्पिटल परिसर में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। सभा में कलेक्टर आशीष मोदी, मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ पवन कुमार, पीएमओ डॉ. अरुण गौड़, सीएमएचओ डॉ. मुश्ताक ख़ान सहित कई डॉक्टर व शहरवासी मौजूद रहे। इस दौरान कलेक्टर मोदी ने कहा कि वायरस तेज़ी से फैल रहा है इससे सावधान रहने की आवश्यकता है।

किस को ज्यादा नुकसान होगा आंतरिक कलह...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कुमार के बीच की गंभीर अंदरूनी लड़ाई चुनावों से पहले अनबन की उस राजनैतिक तस्वीर को पूरा करती नज़र आ रही है।

लेकिन दिखाने के लिये, ये दोनों कांग्रेस नेता सार्वजनिक तौर पर पार्टी में पूरी शांति दर्शाते हैं तथा कभी-कभी एक साथ तथा एक मंच पर फोटो खिंचा कर यह संदेश देने की कोशिश करते हैं कि उनके बीच सब कुछ ठीक-ठाक है। लेकिन पार्टी के अंदर भी हर आदमी यह जानता है कि चुनाव परिणाम के बाद दोनों एक-दूसरे पर किस तरह हमला करेंगे। देखना यह है कि क्या इन दोनों पार्टियों की अंदरूनी लड़ाई एक-दूसरे को खारिज कर देगी या फिर दूसरे शब्दों में उनसे संबंधित पार्टी की संभावनाओं को इस अंदरूनी लड़ाई के चलते कौन नुकसान पहुँचा रहा है। लेकिन जैसा कि आज दिखाई दे रहा है, कांग्रेस, जिसका पलड़ा भारी दिखाई दे रहा है, अंदरूनी लड़ाई के चलते स्वयं ही अपने पैर पर कुल्हाड़ी मार लेगी।

अन्यथा, कांग्रेस की संभावना काफी अच्छी हैं क्योंकि कर्नाटक की भाजपा सरकार, जिसके मुखिया बासवराज बोम्मई हैं, को आम जनता निष्ठुरता की हद तक भ्रष्ट सरकार के रूप में देख रही है तथा कांग्रेस को इस बात को जनता तक पहुँचाने का आसान रास्ता मिल गया है। सरकार के खिलाफ कांग्रेस "40 प्रतिशत कमीशन सरकार" की टैगलाइन तथा प्रचार के दौरान इसके दोहराने के फलस्वरूप, घर-घर तक पहुँच गई तथा जनता की ज़ुबान पर चढ़ गई है। भाजपा पर चस्पा हो चुकी इस टैगलाइन के अलावा, राष्ट्रीय राजनैतिक परिदृश्य पर हावी हो चुका अडानी मुद्दा भी विपक्ष के हाथ में एक ऐसे हथियार के रूप में आ गया है, जिससे वह भाजपा पर हमला बोल रही है।

लेकिन कर्नाटक में, सत्तारूढ़ भाजपा के पास भी कुछ विशिष्टताएं हैं तथा इसका चुनाव लड़नें का तंत्र तथा प्रचार में शामिल स्टार पावर इसके विरोधी दलों से कहीं ज्यादा ताकतवर एवं प्रभावी है। कागज पर देखें तो भाजपा के पास प्रचार के लिये सबसे बड़ी स्टार पावर है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वयं प्रचार-अभियान को नेतृत्व प्रदान करते हैं और उनके बाद, भाजपा के शीर्ष नेतागण की तोपों की गर्जना चुनावी माहौल को एक अलग ही रूप दे देती है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा किये गये बँगलोर-मैसूर एक्सप्रैस वे के उद्घाटन तथा रोड शो के तुरन्त बाद, भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने भी शनिवार को टुमकुर जिले में विजय संकल्प यात्रा के हिस्से के रूप में शो कर डाला। उनके साथ भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष लेन कुमार कटिल तथा पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. युदियुरप्पा भी थे।

भाजपा का हर वक्ता अपनी पूरी कोशिश कर रहा है कि वह बोम्मई सरकार पर लगे भ्रष्टाचार के धब्बे के असर को कम कर सके तथा भाजपा का हर वक्ता इस बिन्दु पर कांग्रेस पर पूरी ताकत से हमले कर रहा है।

नड्डा ने कांग्रेस पर अंधाधुंध प्रहार करते हुये कहा, "कांग्रेस का अर्थ है- भ्रष्टाचार और कमीशन। जब यह कर्नाटक की सत्ता में थी, उसने कर्नाटक को दोनों हाथों से लूटा था और अब लूटने के एक और अवसर की तलाश में है। लेकिन मुझे पूरा यकीन है कि कर्नाटक के लोग चतुर हैं तथा वे जानते हैं कि आगामीचुनाव में किसे चुनना है। केवल कर्नाटक ही नहीं, बल्कि पूरा देश ही कांग्रेस की परिवारवादी राजनीति से उकता चुका है। राहुल गांधी विदेश जाते हैं और वहाँ भारत के लोकतंत्र पर सवाल खड़े करते हैं। आप लोगों को अपने वोटों के जरिये उन्हें (राहुल) को यह जवाब देना ही चाहिए कि हमारे भारत में लोकतंत्र कितना मजबूत है।"

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री बासवराज बोम्मई पूर्व मुख्यमंत्री युदियुरप्पा द्वारा छोड़ी गई विरासत को आगे ले जायेंगे। नड्डा ने कहा, "प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा येदियुरप्पा ने कर्नाटक को विश्वस्तरीय विकास का उपहार देने के लिये मेहनत की थी। मैं (आपको) विश्वास दिला सकता हूँ कि मुख्यमंत्री बासवराज बोम्मई राज्य के विकास की दिशा में काम करते रहेंगे तथा हमारी डबल इंजर सरकार की ताकत को प्रमाणित कर देंगे।" नड्डा ने सभी लोगो को संदेह मुक्त करते हुये कहा कि अगर भाजपा जीतती है तो बोम्मई ही पार्टी का मुख्य दाँव और सरकार का चेहरा होंगे।

बोम्मई को लेकर भाजपा के अंदर काफी मुखर गुर्राहट सुनाई दे रही है तथा इस बिन्दु पर पार्टी की राज्य इकाई बँटी हुई दिखाई दे रही है।

येदियुरप्पा तथा वे जिस तरह से अपने पुत्र को राजनीति में अवसर दे रहे थे, उस तौर-तरीके के खिलाफ पार्टी में आवाजें उठ रही हैं। उनकी अपनी पार्टी के ही लोग उनके बयान रोचक बयान दे रहे हैं। देखना यह है कि जब पार्टी कार्यकर्ता प्रचार के लिये निकलेंगे तो उन्हें पार्टी की यह अंदरूनी लड़ाई कितना प्रभावित करेगी।

जहाँ ये दोनों बड़ी पार्टियाँ एक-दूसरे से तथा "अपने अन्द" लड़ रही हैं, वहीं राज्य की तीसरी ताकत- जनता दल (सेर्कुलर) एकचित्त होकर अपने रणनीतिपूर्ण प्रचार में लगी हुई है तथा कुछ सीटें जीतकर, प्रमुख "किंगमेकर" के रूप में उभरने की कोशिश कर रही है।

मध्यप्रदेश में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

घटनास्थल जिला मुख्यालय से करीब 40 कि.मी. दूर है। हादसा दोपहर करीब 3.20 बजे का बताया जा रहा है। प्लेन हादसे से करीब 15 मिनट पहले ही बिरसी एयरपोर्ट से उड़ा था। बताया जा रहा है कि एयरक्रॉफ्ट में पायलट मोहित और ट्रेनी पायलट वरसुका थीं।

जिला घोषित नहीं...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विधायक निर्मल कुमावत, फुलेरा विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के उम्मीदवार रहे विद्याधर चौधरी का पुतला फूंका। इस मौके पर प्रमुख रूप से कुलदीप व्यास, अनिल कुमार गट्टानी, डीडी कुमावत, विजय व्यास, हिमांशु व्यास, व्यापार महासंघ के अध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल, सत्यनारायण गोयल सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908

*Terms and Conditions apply. Black glass shade on the vehicle is due to lighting effect. Creative visualization. Images used are for illustration purposes only. Car colour may vary due to printing on paper.

UDAIPUR: S-140, MADRI INDUSTRIAL AREA, UDAIPUR, NAVNEET MOTORS: 7230016838, 9929140770, 7597349534 | **SUKHER, 200 FEET ROAD, SUKHER BYE PASS, KHELGAON ROAD, NEAR BHERAVGARH RESORT, UDAIPUR,** TECHNOY MOTORS: 9530396820, 8112266227, 9530396861 | **NEAR BHAWA PETROL PUMP, BHILWARA ROAD, KANKROLI, RAJSAMAND,** LOHIA AUTOMOBILES: 7742102747, 6350095757 | **BANSWARA: THIKARIA DAHOD ROAD, BANSWARA,** NAVNEET MOTORS: 7665887333.